■ श्रावण शुक्ल - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 14 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 05-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 असम सरकार 'लव जिहाद' मामलों में उम्रकैद की सजा के लिए जल्द कानून लाएगी

6 सावन में खुशियों के बीज, बोने आती हरियाली तीज

7 पाकिस्तान की सेना को मुझसे माफी मांगनी चाहिए : इमरान खान

फर्स्ट टेक

लेबनान से इजरायल में लगभग 30 रॉकेट लॉन्च

यरुशलम/एजेन्सी। लेबनान से उत्तरी इजरायल में लगभग 30 रॉकेट लॉन्च किये गये, जिनमें से अधिकांश को रास्ते में मार गिराया गया। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने रविवार को बताया कि उत्तरी इजरायल में लेबनान से एक रॉकेट हमला किया गया और कई रॉकेटों को इजरायल की आयरन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली द्वारा मार गिराया गया। लेबनानी शिया आंदोलन हिजबुल्लाह ने बताया कि उसने उत्तरी इजरायल के बेत हिलेल शहर की ओर कई रॉकेट दागे हैं। आईडीएफ ने बताया कि हमले में कोई भी घायल नहीं हुआ। उसने कहा, जवाबी कार्रवाई में उसने हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चर पर कई हमले किये। इसके अलावा, दक्षिणी लेबनान के मरजायौन इलाके में अतिरिक्त आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर हमला किया गया।

जोकोविच ने अल्काराज को हराकर पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता

पेरिस/एपी। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रविवार को पुरुष टेनिस एकल फाइनल में

कार्लोस अल्काराज को सीधे सेट में हराकर अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। सैंतीस साल के सर्बिया के जोकोविच ने स्पेन के अल्काराज के खिलाफ 7-6, 7-6 से जीत दर्ज की और अपने 24 ग्रैंडस्लैम खिताब में एक और उपलब्धि जोड़ दी। जोकोविच इसके अलावा पुरुष और महिला दोनों वर्ग में सबसे अधिक हफ्तों तक नंबर एक रैंकिंग पर काबिज रहने वाले खिलाड़ी हैं। जोकोविच ने इससे पहले 2008 बीजिंग ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था।

केरल के मलप्पुरम जिले से एकत्र चमगादड़ के नमूनों में निपाह वायरस की पुष्टि

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मलप्पुरम जिले के पांडिक्कड़ से एकत्र किए गए चमगादड़ों के नमूनों में निपाह वायरस का पता चला है। इसी जिले में 21 जून को संक्रमण के कारण 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई थी। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के अनुसार पांच किलोमीटर के दायरे से एकत्र किए गए 27 चमगादड़ों के नमूनों में से छह में एंटीबॉडी पाई गई। मंत्री ने कहा कि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क सूची में शामिल लोगों की निपाह प्रोटोकॉल के अनुसार की गईं सभी जांचें अब तक नेगेटिव रही हैं। उन्होंने बताया कि कुल 472 लोग संपर्क सूची में हैं और 21 दिन की अनिवार्य पृथकवास अवधि पूरी कर चुके 261 लोगों को सूची से हटा दिया गया है।

05-08-2024 सूर्यास्त 6:34 बजे | 06-08-2024 सूर्योदय 5:55 बजे

BSE	NSE
80,981.95	24,717.70
(-885.59)	(-293.20)

सोना	चांदी
7,112 रु.	89,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार साबित होंगे तीन नए आपराधिक कानून : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केंद्र द्वारा लाये गये तीन नए आपराधिक कानूनों को 21वीं सदी का ''सबसे बड़ा'' सुधार करार दिया। उन्होंने कहा कि इन कानूनों - भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक और तकनीक से युक्त आपराधिक न्याय प्रणाली भारत की होगी। शाह यहां तीन नये आपराधिक कानूनों के लिए ई-साक्ष्य, ई-समन, न्याय सेतु और न्याय श्रुति ऐप का लोकार्पण करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

एक जुलाई को प्रभावी हुए बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए ने क्रमशः ब्रिटिशकालीन भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है।

शाह ने कहा कि चंडीगढ़ देश की पहली प्रशासनिक इकाई होगी, जहां अगले दो माह में तीनों कानूनों का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन पूरा हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली को संचालित करने वाले ये नये कानून 21वीं सदी का ''सबसे बड़ा'' सुधार है।

गृह मंत्री ने कहा कि इन कानूनों में तकनीक को इस प्रकार से शामिल किया गया है कि आने वाले 50 साल तक ईजाद होने वाली सारी तकनीक को इसमें समाहित कर लिया गया है।

शाह ने कहा कि हमारे संविधान की भावना के अनुसार नागरिक केंद्रित कानून बनाए गए हैं और इनका पूर्ण क्रियान्वयन होने के बाद किसी भी मामले में उच्चतम न्यायालय तक तीन वर्ष में फैसला आ जाएगा। उन्होंने कहा, ''बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए, संसद में चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा भारत की जनता के लिए बनाए गए कानून हैं। इसमें भारत की मिट्टी की खुशबू है और हमारे न्याय की संस्कृति भी है।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि 150 साल पहले बने कानून प्रासंगिक नहीं रह सकते।

शाह ने कहा कि वर्षों तक लोगों को न्याय नहीं मिलता था और तारीख पर तारीख मिलती थी। गृह मंत्री ने कहा कि धीरे-धीरे लोगों का विश्वास तंत्र पर से उठता जा रहा था इसीलिए मोदी सरकार ने इन तीन नये कानूनों को लागू करने पर काम किया।

अंतरराष्ट्रीय निर्बाध रेल नेटवर्क योजना की पुतिन ने की घोषणा

मॉस्को/एजेन्सी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को निर्बाध रेलवे नेटवर्क की स्थापना सहित अंतरराष्ट्रीय परिवहन गलियारे विकसित करने की योजनाओं की घोषणा की। पुतिन ने रूस के रेलवे श्रमिक दिवस के अवसर पर एक वीडियो संबोधन में कहा, हमारा लक्ष्य बाल्टिक और बैरेंट्स सागर से फारस की खाड़ी तथा हिंद महासागर के तटों तक निर्बाध रेलवे संचार स्थापित करना है। उन्होंने कहा, ये वास्तव में बड़े लक्ष्य हैं और मुझे विश्वास है कि आपकी विशेषज्ञता, अनुभव और देश के हितों के प्रति प्रतिबद्धता से हम इन्हें हासिल करेंगे। उन्होंने मास्को में सेंट्रल ट्रांसपोर्ट हब के साथ एकीकृत होने के लिए हाई-स्पीड रेलवे का निर्माण, अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक कॉरिडोर का निर्माण और अज़ोव से काला सागर तक परिवहन मार्ग के विस्तार संबंधी परियोजनाओं की भी रूपरेखा तैयार की।

केदारनाथ में फंसे 10374 लोगों को लाया गया वापस

अभी तक कुल 19,473 हुए रेस्क्यू

देहरादून/एजेन्सी। उत्तराखंड में 31 जुलाई को अतिवृष्टि के कारण अस्त व्यस्त हुई केदारनाथ और यात्रा मार्ग पर फंसे लोगों को सुरक्षित वापस लाने का काम युद्ध स्तर पर रविवार को भी जारी रहा। आज सुबह से शाम पांच बजे तक कुल 10374 लोगों को वापस लाया गया है। अभी तक कुल 19,473 व्यक्तियों को विभिन्न माध्यमों से विपरीत मौसम के बावजूद सुरक्षित स्थानों पर लाया जा चुका है। आपदा प्रबन्धन एंव पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि 31जुलाई को अतिवृष्टि से अवस्थापना को भारी क्षति पहुँची है। उन्होंने बताया कि केदारनाथ तथा रास्ते में ऊपर की और लगातार घने बादल छाये है। इस कारण रेस्क्यू कार्य में लगातार व्यवधान हो रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना द्वारा उपलब्ध कराया चिनूक हैलीकॉप्टर मौसम खराब होने के कारण, अभी तक एक भी उड़ान नहीं भर पाया है।

तमिलनाडु सरकार ने स्कूलों को 1,200 करोड़ रुपए जारी करने का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने रविवार को कहा कि 'द्रविड़ मॉडल' सरकार शिक्षा को बहुत महत्व दे रही है और उन्होंने शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत स्कूलों को 1,200 करोड़ रुपये जारी करने का आदेश दिया।

स्कूल शिक्षा विभाग के एक समारोह में स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु स्कूलों में गरीबों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम लागू करने में अग्रणी राज्य है।

हालांकि सरकार को आरटीई के तहत दाखिला लेने वाले छात्रों की फीस निजी स्कूलों को देनी होती है, लेकिन पिछली (अन्ना द्रमुक) सरकार के कार्यकाल के दौरान यह राशि उन्हें देरी से दी गई। उन्होंने कहा, हालांकि द्रविड़ मॉडल सरकार (द्रमुक) के सत्ता में आने के बाद (2021 में) स्कूलों को लगभग 1,200 करोड़ रुपये जारी करने के लिए सरकारी आदेश जारी किया गया और इस संबंध में काम जारी है।

उदयनिधि ने कहा कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने उसी वर्ष आरटीई के तहत स्कूलों को फीस जारी करने का आदेश दिया और कहा कि सरकार निजी स्कूलों का भी समर्थन करती है।

मंत्री ने कहा, शिक्षकों से एक बार फिर अनुरोध है कि वे खेल और शारीरिक शिक्षा के लिए विशेष रूप से निर्धारित समय का उपयोग छात्रों को गणित और विज्ञान पढ़ाने के लिए न करें। उन्होंने कहा कि खेल और शारीरिक व्यायाम शिक्षा के समान ही महत्वपूर्ण हैं और जो बच्चा खेलों में अच्छा होगा उसका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और वह पढ़ाई में भी अच्छा प्रदर्शन करेगा।

ब्रिटेन में प्रवासी विरोधी दक्षिणपंथी समूहों का हिंसक प्रदर्शन, 100 व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटेन में प्रवासी विरोधी दक्षिणपंथी समूहों से जुड़ी हिंसक झड़प और हिंसा सप्ताहांत में जारी रही। वहीं पुलिस ने इस संबंध में कम से कम 100 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने चरमपंथी तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए अधिकारियों को अपना पूरा समर्थन देने की पेशकश की।

शनिवार को लिवरपूल, हल, ब्रिस्टल, लीड्स, ब्लैकपूल, स्टोक-ऑन-ट्रेंट, बेलफास्ट, नॉटिंघम और मैनचेस्टर में पथराव किया, पटाखे फेंके गए, उस होटल की खिड़कियां तोड़ दी गईं जहां देश में शरण चाहने वाले ठहरे हुए थे। साथ ही दुकानों पर हमला किया गया और आग लगा दी गई। वहीं भीड़ और पुलिस के बीच कई झड़पें हुईं।

ब्रिटेन की गृह मंत्री यवेट कूपर ने भीड़ को चेतावनी दी कि वे इस तरह के आपराधिक अव्यवस्था और हिंसा की कीमत चुकाएंगे।''

शनिवार को स्टॉर्मर द्वारा बुलाई गई मंत्रियों की एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा, हमने जो अव्यवस्था देखी है, उन्हें ठीक करने के लिए प्रधानमंत्री ने कहा है कि पुलिस को हमारी ओर से पूरा समर्थन है ताकि वे हमारी सड़कों पर चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई कर सकें। ये चरमपंथी पुलिस अधिकारियों पर हमले कर रहे हैं, स्थानीय व्यवसायों को बाधित कर रहे हैं और समुदायों को डराकर नफरत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

ब्रिटेन में जारी अशांति गृहयुद्ध में बदल सकती है : मस्क

वाशिंगटन/एजेन्सी। अमेरिका के अरबपति उद्यमी एलन मस्क का मानना है कि ब्रिटेन में बड़े पैमाने पर व्याप्त अशांति गृहयुद्ध में बदल सकती है। ब्रिटेन के साउथपोर्ट में चाकू हमले के बाद ब्रिटेन के कई शहरों में शनिवार को अवैध प्रवासियों की आमद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। हमले में तीन बच्चे मारे गए थे। 'टाइम्स' अखबार ने बताया कि सप्ताहांत में कम से कम 35 विरोध प्रदर्शनों की आशंका थी। मस्क ने 'एक्स' पर ब्रिटिश शहरों में विरोध प्रदर्शनों के एक वीडियो पर टिप्पणी करते हुए कहा, गृहयुद्ध को टाला नहीं जा सकता।

'संकटमोचक' श्रीजेश के दमदार प्रदर्शन से भारत सेमीफाइनल में

पेरिस/भाषा। अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे पी आर श्रीजेश एक बार फिर भारतीय हॉकी की दीवार साबित हुए और 42 मिनट तक दस खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद भारत ने ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4 . 2 से हराकर पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

तारीफ करनी होगी भारतीय डिफेंस की जिसने 36 वर्ष के श्रीजेश की अगुवाई में ब्रिटेन के हर हमले का बचाव करते हुए उसे बढत नहीं बनाने दी। ब्रिटेन ने 28 बार भारतीय गोल पर हमला बोला और महज एक कामयाबी मिली । निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर रहने पर मुकाबला शूटआउट में गया ।

शूटआउट में भारत के लिये कप्तान हरमनप्रीत सिंह , सुखजीत सिंह, ललित उपाध्याय और राजकुमार पाल ने गोल दागे जबकि इंग्लैंड के जेम्स अलबेरी और जाक वालांस ही गोल कर सके ।

अदन की खाड़ी से गुजर रहे जहाज पर हूती विद्रोहियों का हमला

दुबई/एपी। यमन के हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी से गुजर रहे एक मालवाहक जहाज पर शनिवार देर रात मिसाइल हमला कर दिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह इजराइल द्वारा हमास नेता इस्माइल हनिया को निशाना बनाए जाने के बाद समूह का संभवत: पहला हमला है। हनिया को हूती विद्रोहियों का मुख्य वित्त पोषक माना जाता था। हालांकि, हूती विद्रोहियों ने अभी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हूती विद्रोहियों ने लाल सागर गलियारे से गुजरने वाले जहाजों पर अपने हमलों में दो हफ्ते के विराम का कोई कारण नहीं बताया है। पिछले साल नवंबर में गाजा पट्टी में हमास पर इजराइल की जवाबी कार्रवाई के बाद भी क्षेत्र में हूती विद्रोहियों के हमले में इसी तरह का विराम देखने को मिला था। अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाज पर हमला तेहरान में इजराइल के संदिग्ध हवाई हमले में हमास नेता हनिया की मौत के बाद हुआ है।

यूक्रेनी हमले में रूसी पनडुब्बी डूबी, कई इमारतें क्षतिग्रस्त

कीव/एपी। यूक्रेन ने लंबी दूरी के हमले तेज करते हुए पिछले 24 घंटे में रूस की एक पनडुब्बी को डुबो दिया और उसकी एक हवाई पट्टी को निशाना बनाते हुए कई इमारतों को क्षतिग्रस्त कर दिया जिससे एक महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रूस ने कहा कि यूक्रेनी ड्रोन ने एक अपार्टमेंट इमारत पर भी हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। जुलाई के बाद से हमलों में बढ़ोतरी तब हुई है जब यूक्रेन अपने सहयोगियों पर रूसी ठिकानों पर हमला करने के लिए लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति देने का दबाव बना रहा है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आवारा पशुधन

बाधित हैं सारे राजमार्ग,
सड़कों पर बैठा है पशुधन।
आवारा गौ और वत्स त्रस्त,
बिन मालिक फिरते हैं वन-वन।
पाले अब इनको कौन व्यर्थ,
पर्याप्त नहीं है संसाधन।
नित होती दुर्घटनाओं से,
आतंकित है सारा जन-मन।

बांग्लादेश में हिंसक झड़पों में 80 की मौत, अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/एजेन्सी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका तथा देश के अन्य हिस्सों में रविवार को हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 80 लोग मारे गए और इसके बाद अधिकारियों ने अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया है।

प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार काफी संख्या में विद्यार्थियों ने शेख हसीना सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए असहयोग आंदोलन शुरू कर दिया है। बांग्लादेशी अखबार प्रोथिओम एलो की रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षा बलों, सत्तारूढ़ अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में 14 पुलिसकर्मियों सहित कम से कम 80 लोग मारे गए।

गौरतलब है कि पिछले महीने के आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान विद्यार्थियों पर हुए 'अत्याचार' को लेकर सरकार के इस्तीफे की एक सूत्री मांग के साथ भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने असहयोग आंदोलन शुरू किया है। विद्यार्थियों ने सोमवार को लंबे मार्च का आह्वान किया है।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार ने रविवार शाम छह बजे से अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया है। इसके साथ ही मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर पाबंदी लगा दी गयी है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार अगले सरकारी आदेश तक कर्फ्यू लागू रहेगा। पूरे देश में खूनी झड़पों की खबरें हैं। प्रदर्शनकारियों ने सिराजगंज के इनायतपुर थाना पर हमला किया, जिसके कारण कम से कम 13 पुलिसकर्मी मारे गए।

पुलिस मुख्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में मौतों की पुष्टि की।

उल्लेखनीय है कि ढाका विश्वविद्यालय में हिंसक झड़पों के बाद पिछले महीने बांग्लादेशी सरकार की सार्वजनिक नौकरियों के लिए आरक्षण विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी सेवा में व्यापक आरक्षण को समाप्त करने की मांग की।

'बांग्लादेश का दौरा करने से गुरेज करें भारतीय'

नई दिल्ली/एजेन्सी। सरकार ने बांग्लादेश में राजनीति अशांति और हिंसा को देखते हुए भारतीय नागरिकों को फिलहाल इस पड़ोसी देश की यात्रा नहीं करने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को यहां जारी एक बयान में यह परामर्श जारी करते हुए इस समय बांग्लादेश रह रहे भारतीय नागरिकों को अत्यधिक सावधानी बरतने और बाहर आना-जाना कम करने की सलाह दी है। बयान में कहा गया है कि बांग्लादेश में रह रहे भारतीय नागरिकों को हमारा ढाका स्थित उच्चायुक्त के सम्पर्क में रहना चाहिए। आयोग ने उन्हें आपातकाल की स्थिति में +8801958383679, +8801958383680 और +8801937400591 पर उच्चायुक्त से समर्क करने के लिए कहा है। उल्लेखनीय है कि बंगालदेश में रविवार को हिंसक प्रदर्शनों के दौरान 14 पुलिसकर्मियों सहित 80 लोग मारे गए। वहीं सरकार ने पूरे देश में अनिश्चित काल के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दिया है और मोबाइल इंटरनेट सेवा को निलंबित कर दिया है।

भारी बारिश के बावजूद जलाशयों में औसत जलस्तर पिछले साल से कम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देशभर में भारी बारिश के बावजूद, भारत के 150 प्रमुख जलाशयों में औसत जल स्तर पिछले वर्ष से कम लेकिन पिछले दशक के स्तर से अधिक बना हुआ है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अनुसार देश के विभिन्न क्षेत्रों में जल भंडारण स्तर में महत्वपूर्ण भिन्नताएं सकारात्मक और चिंताजनक दोनों प्रवृत्तियों को दर्शाती हैं।

सीडब्ल्यूसी के अनुसार जिन 150 जलाशयों की निगरानी की गई उनकी कुल भंडारण क्षमता 178.784 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है जो देशभर में निर्मित अनुमानित 257.812 बीसीएम का लगभग 69.35 प्रतिशत है।

सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार इन जलाशयों में उपलब्ध जल संग्रहण 91.496 बीसीएम है जो उनकी कुल क्षमता का 51 प्रतिशत है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान दर्ज किए गए जल संग्रहण स्तर का 94 प्रतिशत है और पिछले दशक के औसत के आधार पर सामान्य जल संग्रहण का 107 प्रतिशत है। पच्चीस जुलाई को जारी बुलेटिन के अनुसार पिछले सप्ताह की तुलना में इन जलाशयों में उपलब्ध संग्रहण 69.27 बीसीएम था जो कुल संग्रहण क्षमता का 39 प्रतिशत था। पिछले साल इसी अवधि के दौरान उपलब्ध जल संग्रहण 83.987 बीसीएम था और सामान्य संग्रहण 72.411 बीसीएम था। इस प्रकार इस सप्ताह संग्रहण का स्तर पिछले सप्ताह से वृद्धि दर्शाता है, लेकिन पिछले वर्ष की इसी अवधि और सामान्य क्षमता दोनों से कम है। उत्तरी क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान शामिल हैं। यहां 10 जलाशय हैं जिनकी कुल क्षमता 19.663 बीसीएम है। वर्तमान में उनके पास 6.532 बीसीएम जल है जो उनकी क्षमता का 33 प्रतिशत है जो पिछले वर्ष के 76% तथा इस अवधि के लिए 53 प्रतिशत के सामान्य भंडारण से काफी कम है। यद्यपि, वर्तमान स्तर पिछले सप्ताह के 5.786 बीसीएम (क्षमता का 29%) भंडारण से वृद्धि दर्शाता है। पूर्वी क्षेत्र में असम, झारखंड, ओडिशा, प. बंगाल, त्रिपुरा, नागालैंड व बिहार शामिल हैं। यहां 23 जलाशय हैं जिनकी संयुक्त क्षमता 20.430 बीसीएम है।

जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद प्रभावित डोडा में वीडीजी की सुरक्षा में शादी के बंधन में बंधा युगल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डोडा/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर में डोडा के एक सुदूर गांव में जैल सिंह और रविता देवी की शादी के समय ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) आतंकियों के किसी भी खतरे को टालने के लिए पहरा दे रहे थे। सीमा पार से घुसपैठ कर आए आतंकियों के बारे में माना जा रहा है कि वे जिले के पर्वतीय इलाकों में छिपे हुए हैं।

भगवाह पंचायत के गदन गांव निवासी 20 वर्षीय सिंह ने पिछले सप्ताह पहले से तय तारीख के अनुसार देवी के साथ विवाह की रस्में पूरी कीं, जबकि उनके क्षेत्र में नौ जुलाई को कई घंटों तक आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच भीषण गोलीबारी हुई थी।

जम्मू क्षेत्र के डोडा में 12 जून से कई आतंकवादी घटनाएं हुई हैं, जिसे 18 वर्षों से शांति के बाद जिले में आतंकवाद को फिर से बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान स्थित आतंकवादी आकाओं द्वारा किए गए प्रयास के रूप में देखा गया है। पुलिस ने कई हमलों के लिए जिम्मेदार तीन आतंकवादियों के 'स्केच' 27 जुलाई को जारी किए, जिनमें 15 जुलाई को डेसा जंगल में सेना के तलाशी दल पर हमला करने वाला आतंकवादी भी शामिल है। हमले में एक कैप्टन सहित चार सैनिक शहीद हो गए थे।

गदन गांव के निवासी, वीडीजी सदस्य भरत सिंह (55) ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''एक के बाद एक हुए आतंकवादी हमलों से लोगों में दहशत फैल गई है। यह शादी-ब्याह का समय है, इसलिए हम यह सुनिश्चित करने आगे आ रहे हैं कि लोग अपने महत्वपूर्ण अवसरों को आतंक के साये के बिना मना सकें।'' सिंह ने कहा कि वीडीजी ने गांव और आसपास के इलाकों में कुछ विवाह समारोहों के लिए सुरक्षा प्रदान की है तथा वे कई अन्य समारोहों के लिए भी ऐसा करेंगे, जो जल्द ही होने वाले हैं, क्योंकि उनकी उपस्थिति से ''लोग सुरक्षित महसूस करते हैं।''

हिमाचल प्रदेश : बादल फटने की घटनाओं में मृतकों की संख्या 11 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में दो और शव मिलने के साथ ही राज्य के तीन जिलों में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। इकत्तीस जुलाई की रात में कुल्लू के निरमंड, सैंज और मलाणा, मंडी जिले के पधर और शिमला के रामपुर उपखंड में बादल फटने की कई घटनाओं ने भारी तबाही मचायी थी। इन घटनाओं के बाद अब भी 40 से अधिक लोग लापता हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मंडी जिले में पधर के राजभान गांव से सोनम (23) और मानवी (तीन माह) के शव बरामद किये गये हैं। बचाव अभियान अब भी जारी है और लापता लोगों का पता लगाने के लिए खोजी कुत्तों, ड्रोन और अन्य उपकरणों की मदद ली जा रही है। अधिकारियों के अनुसार सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), पुलिस और होमगार्ड के 410 कर्मी इस बचाव/खोज अभियान में शामिल हैं। उनके मुताबिक रामपुर उपखंड में सरपारा ग्राम पंचायत के सामेज गांव में 30 से अधिक लोग लापता हैं। बचाव अभियान में और मशीनें लगायी गयी हैं तथा बचाव अभियान जारी है। उपप्रधान (सरपारा) सी एल नेगी ने बताया कि पानी का प्रवाह घट गया है जिसके बाद अब मशीन मौके पर लाई गयी हैं एवं लापता लोगों के मिल जाने की संभावना है। राज्य सरकार ने शुक्रवार को पीड़ितों के लिए 50,000 रुपये की तत्काल राहत की घोषणा की थी और कहा था कि उन्हें अगले तीन महीनों के लिए किराए के लिए 5,000 रुपये मासिक दिए जाएंगे, साथ ही गैस, भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएं भी दी जाएंगी। सत्ताईस जून को मानसून के आगमन से लेकर तीन अगस्त तक हिमाचल प्रदेश को 662 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, बारिश से संबंधित घटनाओं में 79 लोगों की जान जा चुकी है।

दिल्ली पुलिस ने जीबी रोड से दो लड़कियों को बचाया, एक महिला समेत दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने जीबी रोड इलाके के एक कोठे से दो लड़कियों को बचाया है जिनसे जाली आधार कार्ड का इस्तेमाल करके वयस्क बताकर कथित तौर पर यहां वेश्यावृति करायी जा रही थी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस उपायुक्त (मध्य) एम हर्षवर्धन ने बताया कि 16 और 17 जुलाई की मध्य रात्रि में कमला मार्केट थाने के प्रभारी और उनकी टीम नियमित जांच कर रही थी और इस दौरान लड़कियों को बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि जब पुलिस टीम निरीक्षण के लिए कोठे की ऊपरी मंजिल पर गई तो वहां दो लड़कियां मिलीं। उन्होंने बताया कि वे नाबालिग लग रही थीं और पुलिस कर्मियों के सवालों का उचित जवाब नहीं दे पा रही थीं। डीसीपी ने कहा, संदेह होने पर जांच की गई और पाया गया कि दोनों लड़कियां नाबालिग थीं।

जिनकी उम्र लगभग 17 वर्ष थी। दोनों लड़कियों को कोठे से बचाया गया और एक एनजीओ (गैर सरकारी संगठन) से काउंसलर को बुलाकर उन्हें आश्रय गृह ले जाया गया।

अधिकारी ने बताया कि काउंसलिंग के बाद पता चला कि लड़कियों को एक साल पहले किरण देवी नामक महिला के पास कोठे पर लाया गया था और ऋषि तथा संजय नामक दो व्यक्ति उन्हें उसके पास लेकर आए थे।

छड़ी मुबारक को श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया

श्रीनगर/भाषा। स्वामी अमरनाथजी की पवित्र छड़ी मुबारक को रविवार को 'हरियाली अमावस्या' के मौके पर पूजा-अर्चना के लिए ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया।

दशनामी अखाड़े की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, स्वामी अमरनाथजी यात्रा-2024 के सिलसिले में छड़ी मुबारक को महंत दीपेंद्र गिरि जी के नेतृत्व में आज हरियाली-अमावस्या (श्रावण अमावस्या) के मौके पर सदियों पुराने रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना के लिए श्रीनगर में गोपाद्री पहाड़ियों पर स्थित ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया।

बयान में कहा गया, जम्मू-कश्मीर की शांति एवं समृद्धि के लिए सामूहिक प्रार्थना भी की गई। 'छड़ी मुबारक' को सोमवार को पुराने श्रीनगर में हरि पर्वत स्थित 'शारिका-भवानी' मंदिर ले जाया जाएगा।

मध्यप्रदेश के सागर में मकान की दीवार ढही, नौ बच्चों की मौत, दो घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सागर/भाषा। मध्यप्रदेश के सागर जिले में रविवार को एक जर्जर मकान की दीवार ढह जाने से नौ बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना रहली विधानसभा क्षेत्र के शाहपुर गांव में एक मंदिर परिसर के पास एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान सुबह साढ़े आठ और नौ बजे के बीच हुई।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शाहपुर नगर पंचायत के मुख्य निगम अधिकारी और उप अभियंता को निलंबित कर दिया है। उन्होंने राज्य भर के नगर निकायों को जर्जर भवनों की पहचान करने और कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

सागर के मंडल आयुक्त वीरेंद्र सिंह रावत ने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया कि शाहपुर में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान दीवार ढहने की घटना में 10 से 15 साल के नौ बच्चों की मौत हो गई एवं दो अन्य घायल हो गए। रावत ने कहा कि जिला अधिकारी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

बांध से पानी छोड़े जाने के बाद पुणे में सेना से मदद मांगी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। खडकवासला बांध से रविवार को अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बाद महाराष्ट्र के पुणे में जलमग्न आवासीय क्षेत्र में सेना के जवानों को तैनात किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि राहतकार्य के दौरान अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने एकता नगर इलाके में स्थित सोसाइटी से कुछ सदस्यों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक पखवाड़े में भारी बारिश के बाद रविवार को पुणे जिले के खडकवासला बांध से 35,000 क्यूसेक (घन फुट प्रति सेकंड) पानी छोड़ा गया। रक्षा विभाग की ओर से एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ''खडकवासला बांध से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के कारण पुणे के जिलाधिकारी द्वारा एहतियात के तौर पर एकता नगर और इसके आसपास के क्षेत्रों मे भारतीय सेना की एक टुकड़ी तैनात करने का अनुरोध किया गया था। इसके बाद सेना के जवानों को गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया था। सेना के जवानों को सिंहगढ़ रोड (एकता नगर क्षेत्र) स्थित द्वारका सोसाइटी में तैनात किया गया। पिछले दो दिन में पुणे जिले के घाट क्षेत्र में भारी बारिश हुई है।

चिरंजीवी ने वायनाड भूस्खलन पीड़ितों की सहायता के लिए एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की

हैदराबाद/भाषा। मेगास्टार चिरंजीवी और उनके अभिनेता पुत्र रामचरण ('आरआरआर' फेम) ने केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन के पीड़ितों की सहायता के लिए एक करोड़ रुपये का योगदान देने की रविवार को घोषणा की।

चिरंजीवी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में भूस्खलन के कारण हुई जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों में प्रकृति के प्रकोप के कारण केरल में हुई तबाही और सैकड़ों लोगों की जान जाने से मैं बहुत व्यथित हूं। वायनाड त्रासदी के पीड़ितों के प्रति मेरी संवेदना है।

चिरंजीवी ने कहा, रामचरण और मैं मिलकर पीड़ितों के प्रति अपनी तरफ से सहायता के रूप में केरल मुख्यमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपये का योगदान दे रहे हैं। मेरी प्रार्थना है कि जो लोग दर्द में हैं, वे शीघ्र इससे उबर जाएं!

जोमैटो ने मार्च तक ग्राहकों से मंच शुल्क के रूप में 83 करोड़ रु. जुटाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

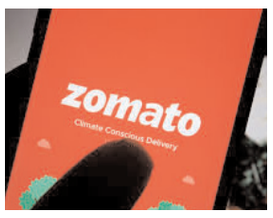

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन ऑर्डर पर खान-पान का सामान पहुंचाने वाले मंच जोमैटो ने इस साल मार्च तक ग्राहकों से मंच शुल्क के रूप में 83 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी की सालाना रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

जोमैटो ने पिछले साल अगस्त में प्रत्येक ऑर्डर पर मंच शुल्क लेना शुरू किया था। मंच शुल्क को जोमैटो के समायोजित राजस्व को बढ़ाने वाले तीन प्रमुख कारकों में से एक बताया गया है। कंपनी की आमदनी पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 7,792 करोड़ रुपये हो गई। रिपोर्ट में कहा गया, जीओवी (सकल ऑर्डर मूल्य) के प्रतिशत के रूप में समायोजित राजस्व में वृद्धि जारी रही, जिसका मुख्य कारण रेस्तरां कमीशन दरों में वृद्धि, विज्ञापन मौद्रिकरण में सुधार और पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से प्लेटफॉर्म (मंच) शुल्क की शुरुआत है। इसमें कहा गया है कि इन सभी कारकों ने 'गोल्ड' ऑर्डरों पर उपलब्ध मुफ्त डिलीवरी लाभ के कारण प्रति ऑर्डर ग्राहक डिलीवरी शुल्क में कमी की भरपाई कर दी। जोमैटो की रिपोर्ट के अनुसार, दिलचस्प बात यह है कि पिछले वित्त वर्ष में देर रात के अधिकांश ऑर्डर दिल्ली एनसीआर से आए थे, जबकि नाश्ते के अधिकांश ऑर्डर बेंगलूरु से आए थे। कंपनी ने पिछले अगस्त में दो रुपये प्रति ऑर्डर मंच शुल्क लेना शुरू किया था, जिसे अब प्रमुख बाजारों में धीरे-धीरे बढ़ाकर छह रुपये कर दिया गया है।

शशि थरूर ने आलोचकों को बतायी 'यादगार' की परिभाषा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने उन लोगों पर पलटवार करने के लिए 'यादगार' (मेमोरेबल) शब्द की परिभाषा सामने रखी है, जिन्होंने वायनाड भूस्खलन राहत कार्यों में भाग लेने के बारे में उनकी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस शब्द का इस्तेमाल करने के लिए उनकी आलोचना की थी।

इसकी शुरुआत थरूर द्वारा केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन पीड़ितों के लिए किए गए राहत कार्यों का एक वीडियो 'एक्स' पर साझा करने से हुई। उन्होंने शुक्रवार को अपने पोस्ट में लिखा, वायनाड में एक यादगार दिन की कुछ यादें। कई लोगों ने पोस्ट में यादगार शब्द का इस्तेमाल करने के लिए उनकी आलोचना की।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के एक उपयोगकर्ता ने पोस्ट किया, शशि थरूर के लिए आपदाएं और मौतें यादगार हैं।

ट्रोल करने वालों पर पलटवार करते हुए थरूर ने शुक्रवार देर रात एक पोस्ट में कहा, सभी ट्रोल्स के लिए: 'यादगार' की परिभाषा: जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकता, जो हमेशा जेहन में रहेगा या जिसके याद रहने की संभावना है, क्योंकि वह विशेष या अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा, मेरा बस इतना ही मतलब था। केरल के वायनाड जिले में सैकड़ों लोगों की जान लेने वाले दुखद भूस्खलन के पांचवें दिन शनिवार को बचाव दल द्वारा जीवित बचे लोगों या मृतकों का पता लगाने के लिए उन्नत रडार, ड्रोन और भारी मशीनरी का इस्तेमाल किया गया।

जीआरपी और आरपीएफ को ड्यूटी के दौरान ट्रेन यात्रा के लिए वैध अनुमति या टिकट लेना होगा : अधिकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। रेलवे दावा अधिकरण ने कहा है कि जीआरपी और आरपीएफ कर्मियों को ट्रेन यात्रा के लिए वैध अनुमति प्राप्त करनी होगी या टिकट खरीदना होगा और केवल पहचान पत्र ले जाना पर्याप्त नहीं है।

अधिकरण ने एक कांस्टेबल द्वारा दायर मुआवजे की याचिका को खारिज करते हुए यह बात कही, जिसने दावा किया था कि ट्रेन से गिरने के समय वह आधिकारिक ड्यूटी पर था।

अधिकरण की अहमदाबाद पीठ ने राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) कर्मियों को ड्यूटी कार्ड पास जारी करने के परिपत्र के संबंध में ''रेलवे के लापरवाह रवैये'' को भी रेखांकित किया, जिन्हें अक्सर यात्रा करनी पड़ती है। जीआरपी कांस्टेबल राजेश बगुल ने अधिकरण में याचिका दायर कर रेलवे से ब्याज के साथ आठ लाख रुपए का मुआवजा मांगा था और दावा किया था कि दुर्घटना के दिन वह ड्यूटी पर थे।

उनकी याचिका के अनुसार, बगुल 13 नवंबर, 2019 को आधिकारिक ड्यूटी के लिए सूरत रेलवे पुलिस थाने गए थे। वह सूरत-जामनगर इंटरसिटी ट्रेन से सूरत से भरूच लौट रहे थे और इसी दौरान वह पालेज स्टेशन पर गिर गए, जिससे उनके बाएं पैर में गंभीर चोटें आईं और पैर का एक हिस्सा काटना पड़ा। अधिकरण के सदस्य (न्यायिक) विनय गोयल ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि बगुल अपने आधिकारिक यात्रा दावों को साबित करने के लिए कोई वैध यात्रा अनुमति प्रस्तुत करने में असफल रहे हैं।

पीठ ने कहा कि वैध यात्रा अनुमति के अभाव में आवेदक को वास्तविक यात्री नहीं माना जा सकता है। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि रेलवे को जीआरपी और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) अधिकारियों को वैध यात्रा अनुमति देने के संबंध में जारी परिपत्र का पालन करना चाहिए।

क्रिप्टोकरेंसी ठगी: ईडी ने लेह एवं अन्य स्थानों से एक करोड़ नकद जब्त किया

नई दिल्ली/भाषा। लद्दाख एवं अन्य कुछ स्थानों पर लोगों को ठगने वाली एक 'फर्जी' क्रिप्टोकरेंसी निवेश कंपनी के संचालकों के विरूद्ध छापेमारी में एक करोड़ रुपये नकद एवं 'अभियोजनयोग्य' सामग्री जब्त की गयी है। ईडी ने यह जानकारी दी। ईडी ने बताया कि लेह, जम्मू और हरियाणा के सोनीपत में दो अगस्त को धनशोधन रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत यह तलाशी की गयी।

अधिकारियों ने बताया कि यह पहली बार है जब ईडी ने लद्दाख में तलाशी ली है। ईडी ने एक बयान में कहा कि जांच लेह एवं अन्य स्थानों के लोगों को धोखा देने के मामले से जुड़ी है। इन लोगों को 'एमोलिएंट क्राइन' नामक नकली क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने पर महज 10 महीने में उनका पैसा दोगुना हो जाने का आश्वासन दिया गया था। ईडी के अनुसार सोनीपत का नरेश गुलिया 'एमोलिएंट क्राइन लिमिटेड' नामक कंपनी के माध्यम से 'फर्जी' क्रिप्टोकरेंसी को बढ़ावा दे रहा था।

विश्वामित्री नदी का जलस्तर बढ़ने से वडोदरा की सड़कों पर पहुंच रहे मगरमच्छ

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के वडोदरा शहर में विश्वामित्री नदी से निकलकर मगरमच्छों के आवासीय इलाकों में घुसने की समस्या हर साल की तरह इस साल भी देखने को मिल रही है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले महीने आवासीय इलाकों में पहुंचे 21 मगरमच्छों को पानी में छोड़ा गया। अधिकारी ने बताया कि नदी का 17 किलोमीटर हिस्सा वडोदरा से होकर गुजरता है। इसमें करीब 300 मगरमच्छ रहते हैं जिसके कारण किनारे के इलाकों में अक्सर इस तरह की घटनाएं देखने को मिलती हैं।

रेंज वन अधिकारी (आरएफओ) करणसिंह राजपूत ने बताया, ''विश्वामित्री नदी के किनारे के आवासीय क्षेत्रों से मगरमच्छों को बचाने का काम पूरे साल चलता रहता है, लेकिन मानसून के दौरान इनकी संख्या काफी बढ़ जाती है। जून में चार मगरमच्छों को बचाया गया और उन्हें वापस नदी में छोड़ दिया गया। जुलाई में यह संख्या बढ़कर 21 हो गई।'' आरएफओ ने बताया कि जुलाई में राज्य के कई इलाकों में भारी बारिश हुई, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ आ गई। विश्वामित्री नदी के दोनों ओर रिहायशी इलाके बनने से पानी भरने के बाद मगरमच्छ बड़ी संख्या में बाहर निकल आते हैं।

हालांकि, उन्होंने कहा कि मगरमच्छ अपने इलाके को छोड़ना पसंद नहीं करते और ये आम तौर पर तब बाहर निकलते हैं जब नदी उफान पर होती है।

वन्यजीव कार्यकर्ता हेमंत वाधवन ने कहा कि मगरमच्छ कभी-कभी शहर के आवासीय क्षेत्रों में जल निकासी नेटवर्क से भी पहुंचते हैं, हालांकि इस साल अब तक ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री फडणवीस राजनीतिक प्रतिशोध ले रहे हैं: देशमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के वरिष्ठ नेता अनिल देशमुख ने रविवार को दावा किया कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे के जरिये उन पर आरोप लगवाकर 'राजनीतिक प्रतिशोध' ले रहे हैं।

देशमुख ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में फडणवीस को न्यायमूर्ति चांदीवाल आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की चुनौती दी और दावा किया कि उन्हें 'क्लीन चिट' दे दी गई है। राकांपा (एसपी) के नेता ने कहा, ''सेवानिवृत न्यायमूर्ति चांदीवाल ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह और बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे द्वारा मुझ पर लगाये गये आरोपों की 11 महीने तक जांच की थी और स्पष्ट रूप से कहा कि न तो मैंने और न ही मेरे निजी सहायक ने उनसे पैसे मांगे थे और न ही दिये थे।'' वाजे ने देशमुख के खिलाफ रिश्वतखोरी का आरोप शनिवार को दोहराया था। फडणवीस ने इस आरोप की जांच का आश्वासन दिया है। परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि देशमुख ने गृह मंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान पुलिस अधिकारियों से शहर के बार और रेस्टोरेंट से हर माह 100 करोड़ रुपये वसूलने को कहा था। आरोपों के मद्देनजर देशमुख ने 2021 में गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था।

वाजे ने पहले जांच आयोग के सामने कहा था कि उन्होंने देशमुख के सहयोगियों को उनके निर्देश पर पैसे पहुंचाये थे। वाजे पर उद्योगपति मुकेश अंबानी के निवास के बाहर जिलेटिन की छड़ें लगाने का आरोप है। उन पर व्यापारी मनसुख हिरन की हत्या के सिलसिले में भी मामला दर्ज किया गया है। वह फिलहाल नवी मुंबई की तलोजा जेल में हैं।

देशमुख ने फडणवीस पर वाजे के माध्यम से आरोप लगवाकर 'राजनीतिक प्रतिशोध' लेने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि छह बार तलब किये जाने के बाद भी परमबीर सिंह न्यायमूर्ति चांदीवाल आयोग के सामने पेश नहीं हुए। उन्होंने कहा, ''आखिर में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया और तब सिंह ने हलफनामा देकर कहा कि मुझ पर लगाये गये आरोप मौखिक सूचना पर आधारित हैं एवं उनके पास इस बात का कोई सबूत नहीं है।''

केरल सरकार ने वायनाड भूस्खलन राहत के लिए सीएमडीआरएफ दान संबंधी सवालों के लिए प्रकोष्ठ बनाया

सरकार के आदेश में कहा गया है कि वित्त विभाग में अस्थायी आधार पर बनाया जाएगा यह प्रकोष्ठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने वायनाड जिले में भूस्खलन राहत के लिए मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) में दान के संबंध में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के वास्ते, धन के उपयोग संबंधी सवालों को लेकर रविवार को एक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ बनाया।

सरकार के आदेश में कहा गया है कि यह प्रकोष्ठ वित्त विभाग में अस्थायी आधार पर बनाया जाएगा। यह निर्णय सीएमडीआरएफ को दिए जाने वाले दान के खिलाफ कुछ लोगों द्वारा चलाये जा रहे दुष्प्रचार अभियान और आलोचनाओं के मद्देनजर लिया गया है। आदेश में कहा गया है, सरकार वित्त विभाग में अस्थायी आधार पर एक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन कर रही है, जिसमें वायनाड भूस्खलन 2024 के संबंध में सीएमडीआरएफ दान और संबंधित मामलों पर प्राप्त प्रश्नों के लिए निम्नलिखित अधिकारी होंगे।

आदेश में शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के सदस्यों के नामों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि संयुक्त सचिव एवं विशेष कार्य अधिकारी (वित्त संसाधन) श्रीराम वी पर्यवेक्षण अधिकारी होंगे; वित्त विभाग के संयुक्त सचिव सुरेश कुमार ओ बी प्रकोष्ठ प्रभारी होंगे; वित्त विभाग के अवर सचिव अनिलराज के एस नोडल अधिकारी होंगे और वित्त (कोष) विभाग के अनुभाग अधिकारी बैजू टी सहायक नोडल अधिकारी होंगे। आदेश में कहा गया है, मोबाइल (नंबर) एवं ईमेल का विवरण वित्त विभाग की वेबसाइट एवं सीएमडीआरएफ के पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाएगा ताकि जनता को सीएमडीआरएफ दान से संबंधित अपनी शिकायतों का समय पर समाधान मिल सके। केरल प्रदेश कांग्रेस प्रमुख के सुधाकरन ने शनिवार को कहा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाली वाम सरकार द्वारा प्रबंधित कोष को पैसे देने की कोई जरूरत नहीं है। वह पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला की इस घोषणा पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि वह विधायक के तौर पर अपना एक महीने का वेतन सीएमडीआरएफ को दान करेंगे।

चेन्निथला के नक्शेकदम पर चलते हुए राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने रविवार को घोषणा की कि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के सभी विधायक अपना एक महीने का वेतन सीएमडीआरएफ में देंगे।

अल्लू अर्जुन ने वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के लिए दिए 25 लाख रुपए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। तेलुगू फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन ने केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले से सुरक्षित बचाये गए लोगों के पुनर्वास प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) में 25 लाख रुपये दिए हैं। राज्य सरकार के अनुसार, वायनाड जिले में 30 जुलाई को तड़के हुई भूस्खलन की घटनाओं में अब तक 219 लोगों की मौत हो गई है।

अर्जुन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह उस राज्य के लिए अपना योगदान देना चाहते थे जिसने उन्हें हमेशा बहुत प्यार दिया है। उन्होंने कहा, ''मैं वायनाड में हाल में हुए भूस्खलन से बहुत दुखी हूं। केरल ने मुझे हमेशा बहुत प्यार दिया है और मैं पुनर्वास कार्य में सहायता के लिए केरल मुख्यमंत्री राहत कोष में 25 लाख रुपये देकर अपना योगदान देना चाहता हूं। आपकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं। मलयालम सिनेमा के जानेमाने अभिनेता मोहनलाल शनिवार को केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड पहुंचे और आपदा प्रभावित क्षेत्र में पुनर्वास कार्यों के लिए तीन करोड़ रुपये देने का एलान किया। मोहनलाल भारतीय प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल भी हैं।

उन्होंने 'एक्स' पर आपदा प्रभावित जगह की कई तस्वीर साझा करते हुए कहा, ''वायनाड में हुई तबाही एक गहरा घाव है जिसे भरने में समय लगेगा। हर एक घर का नष्ट होना और जीवन का अस्त-व्यस्त होना एक त्रासदी है।'' तमिल अभिनेता कमल हासन, सूर्या, ज्योतिका, कार्थी, विक्रम, नयनतारा और विग्नेश शिवन और अन्य मलयालम सितारों ममूटी, दुलकर सलमान, फहद फासिल, नाजरिया और टोविनो थॉमस ने भी मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) में दान दिया है। हासन ने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में 25 लाख रुपये, ज्योतिका, सूर्या और कार्थी ने मिलकर 50 लाख रुपये दान किए हैं। ममूटी ने 20 लाख रुपये, दुलकर ने 15 लाख रुपये और टोविनो ने 25 लाख रुपये का योगदान दिया है। वहीं, फहद और नाजरिया ने 25 लाख रुपये का योगदान दिया।

विपक्ष मदद के लिए आगे आया,यूडीएफ विधायक मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगे एक माह का वेतन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। भूस्खलन से तबाह हुए वायनाड में पुनर्निर्माण कार्यों के लिए केरल सरकार को अपना पूरा सहयोग देते हुए कांग्रेस नीत विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने रविवार को घोषणा की कि उसके सभी विधायक मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) में एक माह का वेतन देंगे। विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने रविवार को कहा कि यूडीएफ सभी पुनर्वास प्रयासों में भाग लेगा और जिंदा बचे लोगों के जीवन को पटरी पर लाने की दिशा में काम करेगा।

कांग्रेस की 100 मकान बनाने की पेशकश के अलावा यूडीएफ में उसकी बड़ी सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने भी पुनर्वास पैकेज की घोषणा की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस की ओर से 100 मकान बनाये जाने की घोषणा की थी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने भी घोषणा की थी कि विधानसभा और संसद के उसके सदस्य एक महीने की तनख्वाह सीएमडीआरएफ में देंगे।

विपक्षी यूडीएफ का यह निर्णय इस मायने में अहम है क्योंकि सीएमडीआरएफ को दान देने के मुद्दे पर कल कांग्रेस में खलबली मच गई थी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने कल घोषणा की थी कि वह अपना एक माह का वेतन दान करेंगे, जो उन्हें विधायक के तौर पर मिलता है।

इस पर उनके पार्टी सहयोगी और प्रदेश अध्यक्ष के सुधाकरण ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। सुधाकरण ने यह कहते हुए अपनी नाखुशी व्यक्त की थी कि माकपा नीत वाममोर्चा सरकार द्वारा प्रबंधित कोष में पैसे देने की जरूरत नहीं है। सुधाकरन का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ऑनलाइन अभियान चलाकर लोगों को सीएमडीआरएफ में धनराशि भेजने से हतोत्साहित किया जा रहा है। सतीशन ने रविवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि उन लोगों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए जिनका सब कुछ तबाह हो गया और जो अनाथ हो गए हैं।

सतीशन ने कहा, इस पर भी विचार किया जाना चाहिए कि जिन लोगों को उनके घरों में वापस भेजा जा रहा है, वे वहां रह पाएंगे या नहीं। सभी के जीवन को पटरी पर लाया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने सरकार से भविष्य में ऐसी आपदाओं को रोकने के उपायों पर विचार करने का आग्रह किया। जिला प्रशासन के अनुसार, शनिवार रात तक 219 शव और 143 से अधिक शरीर के अंग बरामद किए गए एवं 206 लोग अभी भी लापता हैं।

सतीशन ने यह भी बताया कि स्थानीय लोगों ने 29 जुलाई को ही शिकायत की थी कि नदी के ऊपरी क्षेत्र में कुछ हुआ था जिसके चलते पानी का रंग बदल गया था। इसी सूचना के आधार पर पंचायत ने बहुत से लोगों को वहां से निकाल लिया था। उन्होंने कहा कि हमें इस प्रकार के पारंपरिक ज्ञान को भी आधुनिक तकनीक में शामिल किए जाने की जरूरत है।

वायनाड भूस्खलन

केरल के मुख्यमंत्री ने पुलिस के बचाव अभियान की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने वायनाड जिले में हुए विनाशकारी भूस्खलन को रविवार को राज्य के इतिहास की सबसे बड़ी आपदा करार दिया और इस दौरान लोगों को बचाने के पुलिस तथा अग्निशमन बल के साहसी प्रयासों की सराहना की। विजयन ने यहां केरल पुलिस की 'पासिंग आउट' परेड को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य वायनाड में हुई भीषण त्रासदी से उबर नहीं पाया है। पुलिस और अग्निशमन बल की सराहना करते हुए विजयन ने कहा कि साहसिक बचाव प्रयासों ने मानवता की झलक दिखाई है और यही बल की पहचान है।

विजयन ने कहा, वायनाड में हुआ भूस्खलन केरल के इतिहास की सबसे बड़ी आपदा है। यह राष्ट्रीय स्तर की बड़ी आपदाओं में से एक है। चूरलमाला और मुंडक्कई के लोग अब भी प्राकृतिक आपदा में हुए नुकसान से उबर नहीं पाए हैं। उन्होंने पुलिस बल में शामिल नए सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षित महिलाओं की मौजूदगी से बल की क्षमता बढ़ती है। विजयन ने कहा, पिछले बैच में 1,308 महिलाएं थीं जिनमें से 23 को उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया है। इस बैच में 1,403 महिलाएं केरल पुलिस का हिस्सा बनी हैं।

केरल भूस्खलन : चलियार नदी का शांत जल प्राणों का प्यासा बना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल में तीन जिलों के लोगों के लिए जीवन रेखा कही जाने वाली चलियार नदी 30 जुलाई को वायनाड में हुए भूस्खलन के बाद तबाही की खौफनाक प्रतीक बन गई है। कुल 169 किलोमीटर लंबी यह नदी वायनाड, मलप्पुरम और कोझिकोड में बसे लोगों के लिए कई पीढ़ियों से जीवन का आधार रही है, लेकिन अब इसका शांत पानी दुखों का प्रतीक बन गया है, जिसमें भूस्खलन के बाद लापता हुए कई लोगों के शव मिले हैं।

पश्चिमी घाट में दो प्रमुख सहायक नदियों के संगम से बनी यह नदी आपदा में जान गंवाने वाले अधिकतर लोगों के शवों को अपने साथ बहाकर ले गई। नौसेना, पुलिस, अग्निशमन एवं बचाव दल तथा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) सहित विभिन्न एजेंसी एवं स्थानीय निवासियों के हालिया प्रयासों से शनिवार को नदी से तीन और शव तथा शरीर के 13 अंग बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही चालियार नदी में मिले शवों की संख्या बढ़कर 73 और शरीर के अंगों की संख्या बढ़कर 132 हो गई।

मलप्पुरम जिले के एक अधिकारी ने कहा, बरामद किए गए शवों में 37 पुरुष, 29 महिलाएं, तीन लड़के और चार लड़कियां शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि 198 शवों और अंगों का पोस्टमार्टम किया जा चुका है और इनमें से 195 को आगे की प्रक्रिया के लिए वायनाड भेजवाया गया है, जबकि तीन पर रिश्तेदारों ने दावा किया है। राज्य सरकार ने कहा है कि चलियार नदी के 40 किलोमीटर क्षेत्र में तलाश अभियान जारी रहेगा। उसने बताया कि विनाशकारी भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 219 हो गई है।

वायनाड भूस्खलन में जीवित बचे लोगों के पुनर्वास के लिए मॉडल परियोजना तैयार की जाएगी : केरल के मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल के वायनाड जिले में हुई भूस्खलन की घटनाओं के कारण विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए 'एक टाउनशिप' बनाये जाने संबंधी मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की घोषणा के एक दिन बाद, राज्य के उद्योग मंत्री पी राजीव ने रविवार को कहा कि इसके लिए एक मॉडल परियोजना तैयार की जाएगी।

वायनाड समाहरणालय में बागान मालिकों और प्रतिनिधियों की एक बैठक में राजीव ने कहा कि सरकार का लक्ष्य सभी के सहयोग से 'एक सुरक्षित टाउनशिप' बनाना है। मंत्री ने कहा कि पुनर्वास परियोजना को सरकार के संकट राहत कोष के माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) के खिलाफ सोशल मीडिया पर चलाए जा रहे अभियान को भी ''निराधार'' बताया। उन्होंने कहा कि वित्त विभाग के सचिव इस कोष के प्रभारी हैं और एक-एक रुपये का हिसाब रखा जाता है।

उन्होंने बताया, यह कोष कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) ऑडिट के अधीन है और सूचना के अधिकार अधिनियम के दायरे में भी आता है।

मंत्री ने कहा कि सरकार ने भू राजस्व की संयुक्त आयुक्त और वायनाड की पूर्व जिलाधिकारी ए गीता को उन लोगों के पुनर्वास के लिए उपयुक्त स्थान तलाशने का काम सौंपा है, जिन्होंने अपने परिजनों , दोस्तों के साथ ही संपत्ति और रोजी रोटी गंवा दी है।

चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने केरल में भूस्खलन पर प्रधानमंत्री मोदी को शोक संदेश भेजा

नई दिल्ली। चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संदेश भेजकर केरल के वायनाड में भूस्खलन में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। भारत में चीन के राजदूत जू फेइहोंग ने 'एक्स' पर कहा, तीन अगस्त को, ''प्रधानमंत्री ली क्विंग ने केरल में हुए भूस्खलन पर प्रधानमंत्री मोदी को शोक संदेश भेजा। ली क्विंग ने कहा कि उन्हें यह जानकर दुख हुआ कि केरल में भूस्खलन की आपदा में भारी जनहानि हुई है।'' राजदूत ने रविवार को कहा, ''चीन सरकार की ओर से उन्होंने शोकसंतप्त परिवारों और घायलों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।'' केरल के वायनाड जिले में पिछले मंगलवार को हुए भीषण भूस्खलन में कम से कम 219 लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री रंगासामी 74 वर्ष के हुए, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी रविवार को 74 वर्ष के हो गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्रियों और असम के मुख्यमंत्री ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि राष्ट्रपति ने रंगासामी को फोन पर बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री को भेजे अपने संदेश में कहा, आपके सक्षम नेतृत्व में पुडुचेरी तेजी से विकास कर रहा है। मोदी ने यह भी कहा कि रंगासामी एक अनुभवी प्रशासक हैं जो पुडुचेरी की प्रगति के लिए कई कदम उठा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में रंगासामी को बधाई दी और उनकी दीर्घायु की कामना की।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, एल मुरुगन, मनोहर लाल, मनसुख मांडविया, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने भी मुख्यमंत्री को बधाई दी। पुडुचेरी के मंत्रियों, अधिकारियों, विधायकों, कार्यकर्ताओं और ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) की विभिन्न शाखाओं के नेताओं ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री के समर्थकों ने उन्हें शुभकामनाएं देने के लिए कई स्थानों पर 'कटआउट' और बैनर लगाए।

द्रमुक ने तिरुनेलवेली महापौर के लिए पार्षद 'किट्टू' को अपना प्रत्याशी बनाया

तिरुनेलवेली। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने रविवार को वार्ड-25 से पार्टी के पार्षद रामकृष्णन उर्फ 'किट्टू' को महापौर पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया। मंत्री के.एन. नेहरू और थंगम थेनारासु की अगुवाई में द्रमुक पार्षदों और पदाधिकारियों की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिए जाने के बाद 'किट्टू' के नाम की घोषणा की गई। महापौर पद के लिए अप्रत्यक्ष चुनाव पांच अगस्त को कराए जाने की घोषणा अधिकारियों द्वारा पहले ही की जा चुकी है। माना जा रहा है कि 'किट्टू' का निर्वाचित होना लगभग तय है और चुनाव की संभावना कम है।

उभरती हुई शतरंज प्रतिभा, चेन्नई से आर्मेनिया तक प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के 15 वर्षीय शेरोन राचेल एबी एक उभरती हुई शतरंज प्रतिभा हैं और अपनी शारीरिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने बार-बार अपनी प्रतिभा साबित की है। उन्होंने हाल ही में 19 से 28 जुलाई के बीच अर्मेनिया के ग्युमरी में आयोजित 23वीं आईपीसीए विश्व व्यक्तिगत शतरंज चैंपियनशिप में भाग लिया। इस टूर्नामेंट में 14 विभिन्न देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भारत से कुल 5 प्रतिभागी थे। शेरोन राचेल भारत की एकमात्र महिला प्रतिभागी थीं और सबसे खास बात यह थी कि वह उनमें सबसे कम उम्र की भी

थीं। इस टूर्नामेंट में शेरोन ने अपनी उम्र से तीन-चौथाई बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ खेला और उनमें से अधिकांश पेशेवर शतरंज कोच थे। वह अंडर-20/महिला वर्ग में तीसरा स्थान (कांस्य पदक) हासिल करने में सफल रहीं। यह शेरोन के लिए बड़ा सीखने वाला अनुभव था और आने वाले वर्षों में हम उम्मीद कर सकते हैं कि शेरोन का प्रदर्शन बेहतर होगा और वह और ऊंचे स्तर पर पहुंचेगी। शैरन शारीरिक रूप से विकलांग वर्ग में वर्तमान राष्ट्रीय महिला चैंपियन हैं। उन्होंने यह खिताब 24 से 28 जून के बीच झारखंड के टाटा नगर-झारखंड में आयोजित 4वीं अखिल भारतीय दिव्यांग एफआईडीई रेटेड शतरंज चैंपियनशिप 2024 में जीता।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निम्नलिखित ई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें और इन निविदाओं के लिए बोली लगाएं। इस निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

क्र.सं.	खुली निविदा सं.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	लगभगमूल्य रुपये में	निविदा की तारीख, समय
1	2024377211511	महाकवि भारती संस्थान के पीछे कैनोपी और इलेक्ट्रिकल कार्यों सहित स्विमिंग पूल में सुधार	67.24 लाख	30.08.2024 @ 10.30 बजे

विज्ञापन का हिंदी अनुवाद वेबसाइट: www.icf.Indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है

सवारी डिब्बा कारखाना, अस्पताल अधिसूचना

नं.एमडी/आईसीएफ/केस टू केस दिनांक 01 08-2024

केस टू केस आधार पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति

आईसीएफ अस्पताल, चेन्नई – 600 038 में केस टू केस आधार पर निम्नलिखित क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र.सं.	विशेषज्ञता	विशेष रुचि का क्षेत्र/उप विशेषज्ञता
1.	गाइनकोलॉजी	गाइनकोलॉजिस्ट
2.	कार्डियोलॉजी	कार्डियोलॉजिस्ट
3.	एन्डोक्राइनोलॉजी	एन्डोक्राइनोलॉजिस्ट
4.	रूमेटोलॉजी	रूमेटोलॉजिस्ट
5.	डर्मटोलॉजी	डर्मटोलॉजिस्ट
6.	गैस्ट्रोएंटरोलॉजी	मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट
7.	नेफ्रोलॉजी	नेफ्रोलॉजिस्ट
8.	ओन्को सर्जन	ओन्को सर्जन
9.	पीडीऐट्रिक डेंटिस्ट	पीडोडॉंटिस्ट
10.	ईएनटी	ईएनटी सर्जन
11.	एनस्थीशिया	एनस्थीटिस्ट
12.	रेडियोलॉजी	अल्ट्रा साउंड स्कैनिंग के लिए रेडियोलॉजिस्ट
13.	साइकेट्री	साइकेट्रिस्ट
14.	जेरीऐट्रिक्स	जेरीऐट्रीशियन
15.	आफ्थल्मोलॉजी	आफ्थल्मोलॉजिस्ट
16.	वैस्क्युलर सर्जरी	वैस्क्युलर सर्जन
17.	प्लास्टिक सर्जरी	प्लास्टिक सर्जन
18.	यूरोलॉजी	यूरोलॉजिस्ट
19.	ओर्थोपेडिक्स	ओर्थोपेडीशियन
20.	यूरो गाइनकोलॉजी	यूरो गाइनकोलॉजिस्ट
21.	सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी	सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट

आवेदन पत्र ए4 आकार के कागज पर निर्धारित प्रारूप में भरे जाने चाहिएं तथा सभी अपेक्षित संलग्नकों के साथ भेजने चाहिएं।

विज्ञापन का विवरण, आवेदन पत्र और अन्य विवरण सवारी डिब्बा कारखाना की वेबसाइट के लिंक – https://icf.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध हैं।

आवेदन पत्र वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं या पीसीएमओ कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन पत्र को विधिवत रूप से भरकर हस्ताक्षरित करके सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्वयं सत्यापित प्रतियों के साथ प्रधान चिकित्सा अधिकारी, आईसीएफ अस्पताल, चेन्नई – 600 038 के कार्यालय में **26 अगस्त, 2024** तक या उससे पहले जमा कराना होगा।

प्रधान चिकित्सा अधिकारी,
आईसीएफ अस्पताल / चेन्नई - 600 038

संपर्क नं.044-26146640, 26146633

युवा ऊंची उड़ान से अपने सपनों को करें पूरा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को सुशासन की नई उड़ान देकर तरक्की की ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। विकसित राजस्थान की यात्रा में विमानन क्षेत्र अहम पड़ाव है, इसलिए सरकार ने इसे बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि किशनगढ़ एयरपोर्ट की जमीन सहित अन्य सभी आवश्यकताओं के लिए सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे। इससे यहां विमानन क्षेत्र का विकास होगा और दुनिया के प्रमुख व्यापारिक केन्द्र किशनगढ़ में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। शर्मा ने रविवार को किशनगढ़ एयरपोर्ट पर अव्याना एविएशन एकेडमी के फ्लाइट स्कूल का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा विमान को उड़ान के लिए झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि यह फ्लाइट स्कूल राज्य का पहला उड़ान प्रशिक्षण केन्द्र है। यह युवाओं को कॅरियर में नए अवसर उपलब्ध कराकर उनके सपनों को हकीकत में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शर्मा ने कहा कि युवा अपने कर्म और बुद्धि कौशल से अपने सपनों को पूरा करें तथा परिवार के साथ देश-प्रदेश के लिए गर्व का विषय बनें।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। प्रधानमंत्री ने हर क्षेत्र में देश को तरक्की की नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने के साथ ही सामाजिक सरोकारों में भी अग्रणी रहते हुए देशवासियों को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। साथ ही, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के संकल्प के साथ देश में महिला लिंगानुपात को सुधारने में अहम भूमिका निभाई। अब प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। जिसमें हम सबको अपनी भागीदारी निभानी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार की प्रगतिशील नीतियों की वजह से विमानन क्षेत्र का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने देश भर में 21 ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों को मंजूरी दी है। केंद्र सरकार के नवाचारों से ही भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है। शर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की गई उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना का अब तक 1.41 करोड़ से अधिक घरेलू यात्री लाभ उठा चुके है। भारतीय हवाई अड्डों पर कुल हवाई यात्रियों की संख्या हर साल 15 फीसदी तक बढ़ रही है और यह सालाना 37 करोड़ 6 लाख तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई यात्रियों की संख्या तो 22 प्रतिशत की दर से बढ़कर 7 करोड़ हो चुकी है। भारतीय हवाई अड्डों पर एयर कार्गो भी 7 फीसदी की दर से बढ़ा है और यह 33 लाख 7 हजार टन हो गया है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि वर्तमान में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार है। भारत सरकार 'उड़ान' योजना के माध्यम से विमानन क्षेत्र को समावेशिता प्रदान कर रही है। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि अजमेर की धरती देवताओं की धरती है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान पर विशेष ध्यान दिया है और वे राज्य के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री के समारोह स्थल पर पहुंचने पर अव्याना एविएशन एकेडमी के डायरेक्टर शार्दुल सेठ ने मुख्यमंत्री का साफा पहनाकर स्वागत किया तथा विमान का मॉडल भेंट किया। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री गौतम कुमार दक, जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, विधायक श्रीमती अनीता भदेल, रामस्वरूप लांबा, वीरेन्द्र सिंह कानावत, विकास चौधरी, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय एवं नागरिक उड्डयन शिखर अग्रवाल, संभागीय आयुक्त अजमेर महेश चंद्र शर्मा, किशनगढ़ एयरपोर्ट डायरेक्टर बी.एल. मीणा, उद्योगपति अशोक पाटनी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में कांवड़िये की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के जेएलएन मार्ग पर रविवार तड़के एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) कार की टक्कर से 24 वर्षीय एक कांवड़िये की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कार युवक को करीब 50 मीटर तक घसीटती हुई ले गई। युवक गलताजी से जल भरकर चाकसू जा रहा था।

उन्होंने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब चाकसू के शीतला माता निवासी सूरज शर्मा कांवड़ में जल भरकर गलताजी तीर्थ से लौट रहे थे। जेएलएन मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी।

पुलिस के मुताबिक गंभीर रूप से घायल सूरज को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक शनिवार रात 60 लोगों के समूह के साथ गलताजी तीर्थ के लिये गया था और रविवार सुबह वापस लौट रहा था। पुलिस ने बताया कि एसयूवी की तलाश की जा रही है और घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जयपुरिया अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया है।

मृतक युवक यहां सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक ज्वैलरी कंपनी में काम करता था। पिछले तीन वर्षों से वह हर साल पूजा-अर्चना के बाद गलताजी से जल लाने के लिए नियमित रूप से चाकसू से कांवड़ लेकर जाता था।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर कार और ट्रक की भिडंत में चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले के सूरवाल थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह एक कार के ट्रक से टकरा जाने के कारण उसमें सवार भाई-बहन सहित चार लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर त्रिलोकपुरा गांव के पास हुए इस भीषण हादसे में कार में सवार राजन (22), उसकी बहन मोनिका (24), रेखा (42) और धापू देवी (65) की मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, कार में सवार सभी लोग मध्य प्रदेश के विक्रमगढ़ के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अधिकारी के अनुसार, हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार ट्रक चालक को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बोर्ड में टॉपर्स छात्रों को कराई हवाई यात्रा

बारां/दक्षिण भारत । राजस्थान के बारां जिले के अंता तहसील के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बालाखेडा के अध्यापकों ने एक अनोखी मिसाल पेश की है। स्कूल के अध्यापकों ने मिलकर 10वीं एवं 12वीं बोर्ड में टॉपर्स रहें छात्र छात्राओं को पढ़ाई के प्रति और आकर्षित करने के लिए स्कूल में टॉपर्स रहें बच्चों को अपने ही जेब खर्च से हवाई जहाज से जयपुर से नई दिल्ली की यात्रा करवाई। खास बात यह रही कि बच्चों के परिजनों की सहमति से यह यात्रा संभव हुई। दिल्ली यात्रा के दौरान टापर्स बच्चों को जतंर मंतर, समाधि स्थल, इण्डिया गेट आदि स्थानों को दिखाया।

वरिष्ठ अध्यापक अनिरूद्ध सिंह ने कहा,मैं आर्मी से रिटायर्ड हूँ। मैने बच्चों का शिक्षा के प्रति उत्साह बढाने के लिए कक्षा 12वीं बोर्ड में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा पायल रैगर को स्वंय के खर्च पर हवाई यात्रा करवाई है। पायल रैगर के अलावा तीन बच्चो गुलशन रैगर, टीना रैगर, दिव्या वैष्णव की हवाई यात्रा का पचास प्रतिशत खर्च स्कूल के अध्यापकगण बहादुर सिंह, मंजू मालव, शशी मालव द्वारा वहन किया गया। बालिका पायल रैगर ने बताया की उसने सोचा नही था कि उसे हवाई जहाज में बैठने का मौका मिलेगा। यही सब उसके शिक्षको की पहल से संभव हो सका। पायल इस यात्रा से बहुत खुश नजर आई।

गर्भवती महिला को निर्वस्त्र घुमाने के मामले में 14 दोषियों को सात साल की कैद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले की एक अदालत ने पिछले साल सितंबर में धारियावाड़ में 20 वर्षीय गर्भवती महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले में उसके पति सहित 14 पुरुषों को शनिवार को सात साल की कैद की सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि धारियावाड़ कांड मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ किए गए अपराध के समान ही एक जघन्य अपराध था। जातीय हिंसा से जूझ रहे मणिपुर में पिछले साल दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने और भीड़ द्वारा उनके साथ यौन दुर्व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया था।

विशेष लोक अभियोजक मनीष नागर ने बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रामकन्या सोनी ने धारियावाड़ कांड में दोषी पाई गई तीन महिलाओं को पांच साल की जेल की सजा सुनाई। न्यायमूर्ति सोनी ने कहा, देश में महिलाओं को लक्ष्मी की तरह पूजा जाता है। प्राचीन शास्त्रों में भी महिलाओं के सम्मान का उल्लेख है, लेकिन कलयुग में उनके खिलाफ हिंसा और अत्याचार जारी है। उन्होंने कहा, यह आरोपी द्वारा महिला के खिलाफ किया गया एक गंभीर अपराध था। इसी तरह का जघन्य अपराध मणिपुर में भी हुआ था। ऐसे अपराध महिलाओं को भावनात्मक रूप से आहत करते हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है, तभी अपराध कम होंगे।

विशेष लोक अभियोजक नागर ने बताया कि अदाल ने पीड़िता के पति कान्हा मीणा के अलावा खेतिया मीणा, मोतिया उर्फ मोतीलाल मीणा, पुनिया मीणा, केसरा उर्फ केसरीमल मीणा, सूरज मीणा, पिंटू मीणा, नाथूलाल मीणा, मानाराम उर्फ वेणिया मीणा, नेतिया मीणा, रूपा मीणा, गौतम मीणा, रामलाल मीणाा, रमेश मीणा को सात-सात साल कैद, जबकि तीन महिला दोषियों-इंद्रा मीणा, मिरकी मीणा और झुमली मीणा को पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाई। पिछले साल सितंबर में एक गर्भवती महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने का वीडियो सामने आया था। यह घटना 31 अगस्त को धारियावाड़ के निचलाकोटा गांव में हुई थी, जब आरोपियों ने पीड़िता को उस व्यक्ति के घर पर पाया, जिसके साथ उसके अवैध संबंध होने का संदेह था। सात महीने की गर्भवती महिला को उसके पिता के घर छोड़ दिया गया। इसके बाद पीड़िता ने अपनी मां के साथ पुलिस से संपर्क किया और पति समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 509, 354 ए और 354 बी, 323, 342, 294, 36, 341, 504, 506, 120 बी, महिलाओं के अश्लील चित्रण निषेध अधिनियम की धारा 4/6 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 (इलेक्ट्रॉनिक रूप में अश्लील सामग्री प्रकाशित करने की सजा) के तहत मामला दर्ज किया। घटना की जानकारी सामने आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पीड़िता से मुलाकात की थी और उसे 10 लाख रुपये का मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी। घटना की जांच के लिए राज्य पुलिस ने पांच सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था।

देवनानी ने अजमेर अस्पताल में किया स्पीकर हैल्प डेस्क का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को यहां अजमेर संभाग के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में स्पीकर हैल्प डेस्क का शुभारंभ किया। इससे अब इस अस्पताल में डॉक्टरों की जानकारी के लिए मरीज एवं परिजनों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा और विधानसभा अध्यक्ष हैल्प डेस्क पर मरीजों को एक ही जगह समस्त जानकारी मिल जाएगी। आपातकालीन इकाई के पास इस हैल्प डेस्क की स्थापना की गई है। देवनानी ने कहा कि लम्बे समय से अस्पताल में यह जानकारी मिल रही थी कि सही जानकारी के अभाव में मरीज एवं उनके परिजनों को यहां-वहां भटकना पड़ता है। उन्हें बीमारी बताने के बाद भी सही डॉक्टर, विभाग, कमरा नम्बर, दवा केन्द्र, जांच केन्द्र, ऑपरेशन थियेटर, ओपीडी व इंडोर पेशेंट से संबंधित जानकारी नहीं मिल पाती है। उनका काफी समय खराब हो जाता है।

उन्होंने बताया कि मरीज एवं उनके परिजनों की सुविधा के लिए अस्पताल की आपातकालीन इकाई के पास अधीक्षक कक्ष से पहले हैल्प डेस्क की स्थापना की गई है। यहां 24 घण्टे तीन पारियों में स्टाफ तैनात रहेगा। कोई भी मरीज या उनका परिजन आकर यहां चिकित्सा से संबंधित किसी भी तरह की जानकारी ले सकता है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया, अधीक्षक डॉ. अरविन्द खरे एवं अन्य चिकित्सक मौजूद थे।

सभी वर्गों के उत्थान से साकार हो सकता है विकसित राजस्थान का सपना : भजनलाल

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि समाज के सभी वर्गों के उत्थान से ही विकसित राजस्थान का सपना साकार हो सकता है। इसलिए राज्य सरकार ने राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के हितों को ध्यान में रखते हुए परिवर्तित राज्य बजट 2024-25 में उनके सुझावों को शामिल करते हुए प्रावधान किए हैं। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए बजट घोषणाओं पर धन्यवाद सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों और उनके परिवार के हितों के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। कर्मचारी हमारे समाज के गौरव हैं, जो अपने जीवन का अधिकांश समय राज्य की सेवा में समर्पित करते हैं। कर्मचारी अपनी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण से राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स अपने परिवारों के साथ समाज के लिए भी प्रेरणा स्रोत हैं। पेंशनर्स का अनुभव और ज्ञान राज्य के विकास के लिए अमूल्य संपत्ति है।

राज्य सरकार ने इस बजट में कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के कल्याण के लिए वेतन विसंगति संबंधी सुधार, अधिकतम ग्रेच्युटी राशि में वृद्धि, पेंशन वृद्धि, चिकित्सा सुविधाओं में सुधार जैसी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। इनसे कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के जीवन की गुणवत्ता में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 75 वर्ष से अधिक आयु पर बढ़ी हुई दर से पेंशन की सुविधा प्राप्त है।

मरू प्रदेश को हरित प्रदेश बनाएंगे : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। हरियाली तीज के पवित्र अवसर पर 7 अगस्त पर माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग पूरे प्रदेश में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस दिन प्रदेशवासियों द्वारा एक साथ एक ही समय में करोड़ों पौधे लगाये जायेगें जो अपने आप में एक कीर्तिमान होगा। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने आज इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से 7 अगस्त को हरियाली तीज के अवसर पर हम सब राजस्थान वासी एक साथ एक पेड़ मां के नाम का पौधा लगायेंगे और उसकी सार संभालकर पूर्ण वृक्ष बनायेंगे ताकि तपती धरती को इस भीषण गर्मी और निरतंर बढते तापमान से राहत दिलाई जा सके।

दिलावर ने बताया कि इसके लिये व्यापक तैयारियां की गई है। विद्यालयों में वृक्षारोपण की गतिविधि के लिए यूथ एण्ड ईको क्लब के माध्यम से 37 करोड़ रूपये का बजट आवंटित किया गया है। विगत तीन महीनों से लगातार प्रदेश का सघन दौरा कर प्रदेश की जनता को वृक्षारोपण की मुहिम से जोड़ने का प्रयास किया गया है। कोटा, जोधपुर, जालौर, सिरोही, उदयपुर, पाली, नागौर, जयपुर, नीमकाथाना, झुंझुंनू, धौलपुर, भरतपुर, अलवर, टोंक, बांरा, झालावाड़ आदि जिलों का दौरा कर 200 से अधिक बैठकें समाज के सभी वर्गो के साथ की हैं। शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग द्वारा तय किया गया है कि सरकारी व निजी विद्यालयों सहित विभाग के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रहेगी तथा सभी पौधारोपण करेंगें।

पौधारोपण अधिक से अधिक संख्या में हो इसके लिए लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। सरकारी एवं निजी विद्यालयों में कक्षा 1 से कक्षा 12 तक सभी विधार्थी उतने पौधे लगायेंगे जितने उनके परिवार में सदस्य हैं। औसतन कम से कम 5 पौधें प्रत्येक विधार्थी को लगाना होगा। तृतीय श्रेणी के अध्यापक कम से कम 5 पौधें द्वितीय श्रेणी के अध्यापक 10 पौधे तथा प्रथम श्रेणी (व्याख्याता) कम से कम 15 पौधे लगायेगें। पौधे लगाने के बाद सभी को पौधों की फोटो जियोटेगिंग के साथ एप पर अपलोड करनी है। सभी पौधों की ऑनलाईन एप के माध्यम से सघन मॉनिटरिंग की जायेगी।

सरकार ने सघन वृक्षारोपण को देखते हुए प्रत्येक राजकीय कार्यालय परिसर, खेल मैदान में पौधारोपण करने के निर्देश दिये है। राजकीय विद्यालयों, निजी विद्यालय परिसरों के साथ-साथ चारागाह, राजकीय भूमि, निजी खातेदारी भूमि तथा सड़क किनारे व गांव के सार्वजनिक स्थलो पर पौधारोपण किया जा सकता है।

कार्यक्रम हेतु आवश्यक तैयारियों यथा गड्ढे खोदना पौधे उपलब्ध करवाने आदि की समुचित व्यवस्थाएं तत्काल करने के निर्देश दिये गये है। लगाये गये पौधों की आगामी चार वर्ष तक समुचित देखभाल की जानी है। इस हेतु पौधों की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं यथा फैंसिंग, पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है।

कार्यक्रम की सफलता हेतु समाज के विभिन्न वर्गो को वृक्ष लगानें का लक्ष्य दिया गया है। मोटरसाईकिल धारक 5 पौधे, कार धारक 10 पौधे, ट्रेक्टर धारक 15 पौधे, ट्रक/बस धारक 20 पौधे लगायेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी 5 पौधें, स्वच्छ भारत मिशन के लाभार्थी 5 पौधे, वन अधिकार योजना के लाभार्थी 5 पौधे, राशन प्राप्त करनें वाले 10 पौधे, जिनके घर में एसी लगे है वह परिवार 50 पौधे, किसान को उतने पौधे जितनी जमीन उनके खातेदारी में दर्ज है। पेट्रोल पम्प मालिक 300 पौधे, गैंस एजेन्सी मालिक 300 पौधे, औद्योगिक इकाई उतने पौधे जितने उनके यहां कर्मचारी काम करते हैं तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि लाभार्थी 25 पौधे लगायेगें।

प्रतिबंधित प्लास्टिक मुक्त राज्य की संकल्पना को साकार करने में महिलाओं एवं युवाओं की भूमिका : विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 4 अगस्त। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा राज्य को प्रतिबंधित प्लास्टिक से मुक्त करने को लेकर राज्य व्यापी स्तर पर चलायी जा रही मुहिम के तहत मंडल अधिकारियों द्वारा न केवल घरों, दुकानों एवं व्यापारिक संस्थानों पर जाकर कपड़े के थैले वितरित किये जा रहे है बल्कि सामाजिक कार्यक्रमों में जाकर भी जन जागरूकता के तहत कपड़े के थैले वितरित कर प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलवाई जा रही है। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव एन विजय ने कहा कि राज्य लगातार प्रतिबंधित प्लास्टिक मुक्त राज्य की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर इस संकल्पना को साकार करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज को एक नई दिशा देने में एवं समाज के विकास में महिलाओं का योगदान अहम है क्योंकि महिलाएं परिवार में मुखिया के रूप में होती है और परिवार की सदस्यों की आदतों को तय करने एवं बदलने में महिलाओं की भूमिका अहम रहती है ऐसे में प्रतिबंधित प्लास्टिक की वस्तुओं का उपयोग एवं घर में प्रवेश पर प्रतिबन्ध लगाकर वे न केवल पर्यावरण संरक्षण में अहम योगदान दे सकती है बल्कि राज्य को प्रतिबंधित प्लास्टिक मुक्त राज्य बनाने की दिशा में भी अहम भूमिका अदा कर सकती है ऐसे में समाज के अन्य वर्गों के साथ महिलाओं को प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए जागरूक किया जा रहा है साथ ही उन्हें कपडे के थैले वितरित कर प्रतिबंधित प्लास्टिक की वस्तुओं का उपयोग नहीं करने के लिए शपथ भी दिलवाई जा रही है। मंडल की इस मुहीम के तहत एमएनआईटी से सम्बंधित महिलाओं ने हरियाली तीज का त्यौहार मनाया इस अवसर पर उन्होंने न केवल पेड़ पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया बल्कि प्रतिबंधित प्लास्टिक काउपयोग नहीं करने की शपथ भी ली। इस अवसर पर अधीक्षण वैज्ञानिक अधिकारी श्रीमती जयकाला की अध्यक्षता में कपड़े के थैले वितरित किये गये साथ ही प्रतिबंधित प्लास्टिक से पर्यावरण को होने वाले अल्प एवं दीर्घकालिक नुकसानों के प्रति जागरूक किया गया।

सरकार आम जनता की समस्याओं को हल करने के लिए प्रतिबद्ध : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार आम जनता की समस्याओं को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसकी हर शिकायत की सुनवाई जरूर होगी।

राज्य सरकार की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, योगी ने रविवार सुबह गोरक्षनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं समेत लगभग 400 लोगों की समस्याओं को सुना और उन्हें उनके समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। बारिश की आशंका के कारण मंदिर परिसर के भीतर महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में जनता दर्शन का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री ने लिखित शिकायतों को मौजूद अधिकारियों को सौंप दिया और उन्हें प्रत्येक समस्या को तुरंत, गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक ढंग से हल करने का निर्देश दिया। योगी ने विशेष रूप से भूमि अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का निर्देश दिया और उन मामलों की जांच करने का आह्वान किया, जिनमें पीड़ितों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने जवाबदेही तय करने की जरूरत पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे इस बात की जांच करें कि कुछ पीड़ितों को प्रशासनिक सहायता क्यों नहीं मिली है और प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति को तत्काल सहायता सुनिश्चित की जाए। जनता दर्शन के दौरान कई लोगों ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगी, जिस पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि धन की कमी उनके इलाज में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने अधिकारियों को अस्पताल में इलाज पर होने वाले खर्च का आकलन करने की प्रक्रिया में तेजी लाने और इसे शीघ्र शासन के सामने पेश करने का निर्देश दिया। इलाज के लिए आर्थिक सहायता मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से दी जाएगी। योगी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि सभी पात्र व्यक्तियों को उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए आयुष्मान कार्ड जारी किए जाएं। कार्यक्रम के दौरान कई बच्चे अपनी माताओं के साथ आए थे। योगी ने उन्हें आशीर्वाद दिया, उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली, उन्हें चॉकलेट भेंट की और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

पटना में किसी भी इमारत के बेसमेंट में चलने वाले कोचिंग संस्थान को सील कर दिया जाएगा : सिंह

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना में जिला प्रशासन ने रविवार को कहा कि 'जिले में किसी भी इमारत के बेसमेंट में चलने वाले कोचिंग सेंटर को तुरंत सील कर दिया जाएगा।

दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में पानी भर जाने के कारण सिविल सेवा परीक्षा के तीन उम्मीदवारों की मौत के बाद से पटना शहर में जिला प्रशासन द्वारा कोचिंग संस्थानों के शुरू किये गए निरीक्षण अभियान के बीच पटना के जिलाधिकारी (डीएम) चंद्रशेखर सिंह ने यह भी कहा कि अभी तक यहां कोई भी कोचिंग सेंटर बेसमेंट से चलता हुआ नहीं पाया गया है।

जिलाधिकारी ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, जिला प्रशासन के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे उन कोचिंग संस्थानों को तुरंत सील करें जो बेसमेंट से चल रहे हैं। यह कोचिंग संस्थान चलाने के मौजूदा मानदंडों का उल्लंघन है।

हालांकि, अभी तक कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण करने वाले अधिकारियों को राज्य की राजधानी में एक भी ऐसा संस्थान नहीं मिला है, जो बेसमेंट से चल रहा हो। पटना में मौजूदा समय में संचालित किये जा रहे कोचिंग संस्थानों के बारे में सिंह ने कहा, जिला प्रशासन ने कोचिंग संस्थानों को नियमों का पूरी तरह से पालन करने के लिए एक महीने का समय दिया है। उन्हें जिले में कोचिंग संस्थान चलाने के लिए अनिवार्य पंजीकरण प्राप्त करना होगा। एक महीने के बाद मौजूदा प्रावधानों का पालन करने में विफल रहने वाले केंद्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अनुसूचित जातियों के उप-वर्गीकरण वाले उच्चतम न्यायालय के फैसले से बसपा सहमत नहीं : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी अनुसूचित जातियों के उप-वर्गीकरण की अनुमति देने वाले उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले से सहमत नहीं है।

मायावती ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लोगों के उप-वर्गीकरण की अनुमति दी गई है, हमारी पार्टी इससे बिल्कुल सहमत नहीं है।

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, ताकि उन जातियों को आरक्षण प्रदान किया जा सके जो सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी हैं। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि राज्यों को पिछड़ेपन और सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व के मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य आंकड़ों के आधार पर उप-वर्गीकरण करना होगा, न कि मर्जी और राजनीतिक लाभ के आधार पर। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सात-सदस्यीय संविधान पीठ ने 6:1 के बहुमत के फैसले के जरिये ''ई वी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश सरकार'' मामले में शीर्ष अदालत की पांच-सदस्यीय पीठ के 2004 के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि अनुसूचित जातियों (एससी) के किसी उप-वर्गीकरण की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि वे अपने आप में स्वजातीय समूह हैं। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पंकज मिथल ने एक अलग फैसले में बृहस्पतिवार को कहा कि आरक्षण नीति पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है और अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोगों के उत्थान के लिए नए तरीकों की जरूरत है।

मायावती ने कहा, क्योंकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों द्वारा अत्याचारों का सामना एक समूह के रूप में किया गया है और यह समूह समान है, इसलिए किसी भी तरह का उप-वर्गीकरण करना सही नहीं होगा।

निजी क्षेत्रों में चतुर्थ श्रेणी की सभी नौकरियों में आरक्षण का पालन किया जाए : अनुप्रिया पटेल

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने निजी क्षेत्र में चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों में आरक्षण लागू करने की अपनी मांग को एक बार फिर से दोहराया है। पटेल ने रविवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा, निजी क्षेत्रों में आउटसोर्सिंग के जरिए चतुर्थ श्रेणी के पदों पर की जाने वाली नियुक्तियों में आरक्षण का पालन नहीं किया जाता है। वंचित वर्ग के लोगों को चतुर्थ श्रेणी की नौकरी मिलती थी। जब इन पदों पर आउटसोर्सिंग के जरिए भर्ती की जाती है, तो आरक्षण कानून का पालन नहीं होता है। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी चाहती है कि निजी क्षेत्रों में आउटसोर्सिंग के जरिए चतुर्थ श्रेणी की सभी नौकरियों में आरक्षण का पालन किया जाए। राज्य सरकार द्वारा पेश उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति (सार्वजनिक प्रयोजनों के प्रबंधन और उपयोग) विधेयक, 2024 पर पटेल ने कहा कि यह अनावश्यक है। उन्होंने कहा, इसे उच्च सदन द्वारा पहले ही प्रवर समिति को भेजा जा चुका है। समिति इस पर विचार करेगी और अपनी सिफारिश देगी। हमारी पार्टी को लगता है कि यह अनावश्यक है और जनभावनाओं के खिलाफ है। अयोध्या बलात्कार मामले पर पटेल ने कहा कि ''अपराधियों का कोई धर्म नहीं होता है।'' उन्होंने कहा, महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए जो भी दोषी है, उसे सजा मिलनी चाहिए। सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर कार से टकराकर पलटी बस, सात लोगों की मौत, 25 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इटावा/भाषा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के ऊसराहर थाना क्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर एक डबल डेकर बस के शनिवार देर रात गलत दिशा से आ रही कार से टकराने के बाद खाई में गिर जाने से सात लोगों की मौत हो गई जबकि 25 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि तीन/चार अगस्त की दरमियानी रात को करीब पौने एक बजे नगालैंड के नंबर वाली एक डबल डेकर बस रायबरेली से दिल्ली जा रही थी, तभी वह रास्ते में इटावा जिले के ऊसराहर थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 129 के पास सामने से आ रही कार से टकरा गई। ऐसा बताया जा रहा है कि कार में सवार परिवार राजस्थान के मेहंदीपुर बालाजी में दर्शन के बाद कन्नौज के तालग्राम में अपने घर लौट रहा था। पुलिस अधीक्षक वर्मा के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि कार चालक को नींद आ गई और गलत लेन में दाखिल होने के कारण उसकी गाड़ी सामने से आ रही बस से टकरा गई। उन्होंने बताया कि टक्कर से अनियंत्रित हुई बस सड़क के किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरी। वर्मा के मुताबिक, इस हादसे में कार सवार मोनू (25), उसकी मां चंदा देवी (52) और प्रद्युम्न (24) तथा बस सवार ओमप्रकाश (50) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। एक अन्य मृतक बस यात्री की पहचान अमेठी जिले के निवासी यासिर अल्वी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस दो अज्ञात शवों की शिनाख्त की कोशिश कर रही है। वर्मा के अनुसार, हादसे में 25 अन्य लोग घायल हो गए। उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस में करीब 60 लोग सवार थे।

माणिक साहा ने हिंसा प्रभावित गंडाटविसा का किया दौरा, 239.10 करोड़ रू के पैकेज की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने हिंसा प्रभावित गंडाटविसा उपखंड के विकास के लिए रविवार को 239.10 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की। गंडाटविसा में 12 जुलाई को एक कॉलेज छात्र की मौत के बाद दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस हिंसा के फलस्वरूप 145 परिवार बेघर हो गये थे। मुख्य सचिव जे के सिन्हा एवं पुलिस महानिदेशक अमिताभ रंजन के साथ साहा ने राहत शिविरों का दौरा किया एवं प्रभावित लोगों से बातचीत की। इन शिविरों में बेघर परिवारों को ठहराया गया है। मुख्यमंत्री कॉलेज छात्र परमेश्वर रियांग के घर भी गये। उसी की मौत के बाद हिंसक झड़प हुई थी।

साहा ने कहा, ''जब से गंडाटविसा में हिंसा भड़की है, तब से मैं स्थिति पर नजर रख रहा हूं, लेकिन अगरतला से वास्तविक स्थिति का आकलन नहीं किया जा सका। इसलिए, मैं हिंसा से हुई तबाही को देखने के लिए यहां आया हूं।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने रियांग के परिवार को पहले दी गयी छह लाख रुपये की सहायता के अलावा चार लाख रुपये और देने का फैसला किया है।

असम सरकार 'लव जिहाद' मामलों में उम्रकैद की सजा के लिए जल्द कानून लाएगी : हिमंत बिश्व शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार जल्द ही 'लव जिहाद' के मामलों में आजीवन कारावास की सजा के लिए नया कानून लाएगी। यहां राज्य भाजपा कार्यकारिणी की बैठक में उन्होंने कहा, ''हमने चुनाव के दौरान 'लव जिहाद' के बारे में बात की थी। हम जल्द ही एक कानून लाएंगे, जिसमें ऐसे मामलों में आजीवन कारावास की सजा होगी।'' शर्मा ने यह भी कहा कि जल्द ही एक नई अधिवास नीति पेश की जाएगी जिसके तहत केवल असम में जन्में लोग ही राज्य सरकार की नौकरियों के लिए पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव पूर्व वादे के अनुसार प्रदान की गयी 'एक लाख सरकारी नौकरियों' में स्वदेशी लोगों को प्राथमिकता मिली है, जो पूरी सूची प्रकाशित होने पर स्पष्ट होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार ने हिंदुओं और मुसलमानों के बीच जमीन की बिक्री को लेकर भी फैसला किया है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार इस तरह के लेनदेन को रोक नहीं सकती है, लेकिन आगे बढ़ने से पहले मुख्यमंत्री की सहमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है।

आईओसी ने मुक्केबाजों की जांच पर कहा, इसमें बहुत खामियां हैं

पेरिस/एपी। ओलंपिक आयोजकों ने रविवार को कहा कि मुक्केबाज इमाने खेलीफ और लिन यू टिंग की मनमानी से हुई जांच में इतनी खामियां हैं कि इस पर चर्चा करना असंभव है। इन जांच के कारण महिला मुक्केबाजों को 'ट्रांसजेंडर' या पुरुष करार करके आलोचनाओं का दौर शुरू हो गया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के प्रवक्ता मार्क एडम्स ने फिर से अल्जीरिया की खेलीफ और ताईवान की लिन का बचाव किया और मुक्केबाजी की प्रतिबंधित संस्था 'अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ' की आलोचना की जिसने दावा किया था कि ये दोनों मुक्केबाज महिला स्पर्धा के लिए पात्रता के मद्देनजर की गई जांच में विफल रही थीं। एडम्स ने कहा कि 2023 की मुक्केबाजी विश्व चैम्पियनशिप के दौरान दोनों मुक्केबाजों को ले जाकर उनकी जांच की गयी क्योंकि उनके संबंध में सदेह था।

बीएसकेवाई लाभार्थियों को जीजेएवाई के तहत लाभ मिलता रहेगा: ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग ने कहा कि बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना (बीएसकेवाई) के सभी लाभार्थियों को नई स्वास्थ्य योजना गोपबंधु जन आरोग्य योजना (जीजेएवाई) के तहत लाभ मिलता रहेगा।

मंत्री ने शनिवार को कहा कि ओडिशा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की नई स्वास्थ्य योजना गोपबंधु जन आरोग्य योजना (जीजेएवाई) सितंबर में विधानसभा में 2024-25 के बजट के लिए विनियोग विधेयक पारित होने के बाद शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब तक नई स्वास्थ्य योजना जीजेएवाई चरणबद्ध तरीके से लागू नहीं हो जाती, तब तक लोगों को मौजूदा बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना का लाभ मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने विधानसभा में 2024-25 का बजट पेश करते हुए घोषणा की थी कि स्वास्थ्य योजना बीएसकेवाई के स्थान पर जीजेएवाई को लागू किया जाएगा। महालिंग ने कहा कि बीएसकेवाई के लाभार्थी फिलहाल सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में सुविधाओं का लाभ उठाते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार इस संबंध में सभी कदम उठा रही है। राज्य सरकार ने बजट में जीजेएवाई के लिए 5,450 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो पिछली बीजू जनता दल (बीजद) सरकार द्वारा शुरू की गई बीएसकेवाई स्वास्थ्य योजना का स्थान लेगी। राज्य में 'गरीबी रेखा से नीचे' (बीपीएल) और 'गरीबी रेखा से ऊपर' (एपीएल) की श्रेणी के परिवार बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना (बीएसकेवाई) का लाभ उठा रहे हैं। बीएसकेवाई के तहत लाभार्थियों को बिना नकद भुगतान के इलाज मुहैया कराया जाता है। मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य भर के सभी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में रेबीज रोधी टीका उपलब्ध कराने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे।

बिहार के मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार पुलिस ने यहां मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी देने से जुड़े एक ईमेल के संबंध में मामला दर्ज किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

सचिवालय थाना प्रभारी संजीव कुमार के बयान के आधार पर दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, ईमेल 16 जुलाई को मुख्यमंत्री कार्यालय को मिला था।

प्राथमिकी के अनुसार, ईमेल भेजने वाले ने दावा किया था कि वह अलकायदा से जुड़ा है। उसने मुख्यमंत्री कार्यालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी दी।

पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा ने शनिवार को पीटीआई-भाषा से कहा था, ''यह एक पुराना मामला है... हमने जांच के बाद दो अगस्त 2024 को प्राथमिकी दर्ज की।''

बिहार पुलिस के राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) की वेबसाइट पर उपलब्ध प्राथमिकी के अनुसार, अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

केंद्र ने युवाओं के भविष्य को महज ''राजस्व बढ़ाने की कवायद'' तक सीमित कर दिया है: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने लाखों युवाओं के भविष्य को महज ''राजस्व बढ़ाने की कवायद'' तक सीमित कर दिया है। पार्टी ने दावा किया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने पिछले छह साल में 448 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 31 जुलाई को राज्यसभा में एनटीए से संबंधित एक प्रश्न पर शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार के जवाब को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, ''एनटीए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) घोटाले के केंद्र में है। यह शिक्षा मंत्रालय का एक निकाय है जिसका एकमात्र उद्देश्य निजी 'वेंडर्स' को 'आउटसोर्सिंग' के जरिये काम पर रखकर कार्य करना है। उन्होंने कहा, '' न केवल इन 'वेंडर्स' की साख अक्सर संदेह के घेरे में होती है, बल्कि खुद एनटीए की कमान एक ऐसे व्यक्ति के हाथ में है जो जब मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष थे तब वहां बड़े घोटाले सामने आए थे।''

स्कूल भर्ती घोटाला: ईडी ने तृणमूल विधायक जीवन कृष्ण साहा के खिलाफ समन जारी किया

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के विद्यालयों में भर्ती में कथित अनियमितताओं को लेकर जारी जांच के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीवन कृष्ण साहा को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि साहा को घोटाले में संलिप्तता के आरोप में सीबीआई ने पिछले साल गिरफ्तार किया था और उन्हें बाद में जमानत दे दी गई थी। उन्होंने बताया कि साहा को एजेंसी के कोलकाता स्थित कार्यालय में ईडी अधिकारियों के समक्ष पेश होने को कहा गया है। ईडी के अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''उनसे स्कूल भर्ती घोटाले के संबंध में पूछताछ के लिए सोमवार सुबह हमारे कार्यालय आने को कहा गया है।''

हमारे डिफेंस का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था : हरमनप्रीत सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। ब्रिटेन के खिलाफ दस खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद पेरिस ओलंपिक क्वार्टर फाइनल में शूटआउट में जीत दर्ज करने वाली भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने रविवार को कहा कि डिफेंस का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था ।

अनुभवी डिफेंडर अमित रोहिदास को 18वें मिनट में रेडकार्ड मिलने के बाद भारत को लगभग तीन क्वार्टर दस खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा ।

पेरिस ओलंपिक में अब तक सात गोल कर चुके हरमनप्रीत ने कहा ,'' हमारे पास अंतिम समय तक स्कोर बराबर रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं था । हमने डिफेंस पर फोकस रखा और एक संयोजन के साथ खेले । खिलाड़ियों के बीच संवाद बहुत अच्छा था । टीम प्रयासों से यह जीत मिली ।'' उन्होंने कहा कि टीम को रेडकार्ड को भुलाकर आगे बढना था । उन्होंने कहा ,'' जो हुआ, उसे हम बदल नहीं सकते थे । टीम प्रयासों से जीत मिली है । हमारे डिफेंस का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था । दस खिलाड़ियों के साथ खेलना आसान नहीं था ।'' उन्होंने कहा ,'' ऐसे मुकाम पर हम नर्वस नहीं हो सकते । हम किस टीम के खिलाफ खेल रहे हैं, कितने खिलाड़ी मैदान पर है, दस खिलाड़ियों के साथ खेल रहे हैं , यह सब मायने नहीं रखता ।''

उन्होंने गोलकीपर पी आर श्रीजेश की तारीफ की लेकिन कहा कि यह 'वन मैन शो' नहीं था । उन्होंने कहा ,'' श्रीजेश लीजैंड है और सर्वश्रेष्ठ में से एक है । वह हमारे लिये मैच बचाता है लेकिन आप उससे भी पूछेंगे तो वह यही कहेंगे कि यह टीम प्रयास है । टीम पहले है, उसके बाद व्यक्ति ।''

ओलंपिक पदक जीतने तक संन्यास नहीं लूंगी: दीपिका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। लगातार चार ओलंपिक में विफल रही कई बार की विश्व कप पदक विजेता तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि वह पोडियम पर पहुंचने तक खेल को अलविदा नहीं कहेंगी और उन्हें लगता है कि चार साल बाद लॉस एंजिलिस में वह ऐसा करने में कामयाब रहेंगी।

दीपिका खेलों के सबसे बड़े मंच पर दबाव भरे हालात में विफल रही हैं। उन्होंने यहां 'इंडिया हाउस' में पीटीआई से विशेष बातचीत में कहा, ''निश्चित रूप से मैं भविष्य में और खेलना चाहती हूं और अपना खेल जारी रखूंगी। '' उन्होंने कहा, ''मैं ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं और जब तक मैं इसे हासिल नहीं कर लेती, तब तक मैं खेल नह छोड़ूंगी। मैं कड़ी मेहनत करूंगी और मजबूती से वापसी करूंगी। ''

दीपिका (30 साल) ने कहा, ''मैं और मजबूती से पेश करूंगी। इसमें कई चीजे हैं जैसे तेजी से निशाना लगाना, मुझे इसके बारे में थोड़ा और जानने की जरूरत है और इसके अनुसार खुद को तैयार करना सबसे महत्वपूर्ण है। '' उन्होंने कहा, ''मैं ओलंपिक से यही सीखा है कि देर से निशाना लगाना कारगर नहीं होता, आपके पास बड़ी गलतियों की गुंजाइश नहीं होती। आपको इस पर नियंत्रण रखना होता है। मैं यहां से यह सीख लूंगी। '' वह पेरिस में अपने लगातार चौथे ओलंपिक में खेलने उतरीं। दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद खेल में वापसी की। राष्ट्रीय चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद उन्होंने अप्रैल में शंघाई विश्व कप में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता।

सुविचार

धुप हैं किस्मत में लेकिन, छाया भी कही तो होगी, जहाँ मंजिले होगी अपनी, कोई तो ऐसी ज़मीं होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'पाठशाला' न बने 'पिटाईशाला'

अनुशासन और शिक्षा के नाम पर एक स्कूली बच्चे के साथ शारीरिक हिंसा करने से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने एक शिक्षिका की याचिका को खारिज करते हुए जो टिप्पणी की, वह ऐसे सभी मामलों में नज़ीर है। शिक्षकों को इसका एक बार अध्ययन जरूर करना चाहिए। न्यायालय ने सत्य कहा कि 'बच्चे बहुमूल्य राष्ट्रीय धरोहर हैं, उनका पालन-पोषण पूरी कोमलता के साथ किया जाना चाहिए, न कि क्रूरता के साथ।' अगर अनुशासन और शिक्षा के नाम पर उनकी पिटाई की जाती है तो इसे क्रूरता ही मानना चाहिए। हर साल ऐसी कई घटनाएं होती हैं, जिनसे पता चलता है कि किसी शिक्षक ने गुस्से में आकर छात्र की पिटाई कर दी, जिससे वह या तो गंभीर रूप से घायल हो गया या उसके प्राण-पखेरु उड़ गए! बेशक कोई शिक्षक नहीं चाहता कि उसके माथे पर हत्यारा होने का कलंक लगे, वह भी अपने ही छात्र का! कई बार क्षणिक भावावेश, घरेलू मामले या जीवन की किसी अन्य समस्या के कारण कुछ शिक्षक अपना गुस्सा छात्रों पर उतारते हैं। वहीं, कुछ शिक्षक पिटाई के पीछे तर्क देते हैं कि इससे छात्र अनुशासित रहते हैं और पढ़ाई की ओर ध्यान देते हैं। हालांकि यह कहना सरासर गलत है। अगर डंडे के जोर से ही छात्र अनुशासित होते तो आज़ादी के इतने दशकों बाद लगभग पूरा देश ही बहुत अनुशासित हो गया होता, चूंकि ज्यादातर लोगों ने स्कूलों में कभी-न-कभी ऐसी सख्ती का सामना जरूर किया है। पिटाई के डर से पढ़ाई की ओर ध्यान देने का दावा भी पूरी तरह काल्पनिक है। क्या जिन बच्चों की स्कूलों में बहुत पिटाई हुई थी, वे सब-के-सब उच्च कोटि के वैज्ञानिक, चिंतक या दार्शनिक बन गए?

सच्चाई यह है कि बहुत ज्यादा पिटाई करने वाले शिक्षक का उसके छात्र मन से आदर नहीं करते। जब कभी ऐसे शिक्षक का तबादला हो जाता है या उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई होती है तो छात्र अत्यंत हर्षित होते हैं। इसके अनेक उदाहरण मौजूद हैं। कई बच्चे तो ऐसे शिक्षक से परेशान होकर दूसरे स्कूल में दाखिला ले लेते हैं या पढ़ाई छोड़ देते हैं। अब सोशल मीडिया पर ऐसे मामलों को जोर-शोर से उठाए जाने के कारण अभिभावकों, छात्रों और शिक्षकों में जागरूकता आई है। जब कभी पता चलता है कि किसी शिक्षक ने अपने छात्र की बेरहमी से पिटाई कर दी, तो उसके खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया जाता है। प्राय: प्राइवेट स्कूल वाले अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए उस शिक्षक को नौकरी से तुरंत निकाल देते हैं। इस घटना की वजह से उसे दूसरी स्कूल में नौकरी मिलना मुश्किल होता है। वह छात्र के अभिभावक की ओर से दर्ज मुकदमे का सामना करता है, सो अलग। दो दशक पहले स्कूलों, खासकर राजस्थान के कई सरकारी स्कूलों में छात्रों की बहुत पिटाई की जाती थी। चूंकि तब सोशल मीडिया नहीं होता था। मुख्य धारा के मीडिया की पहुंच भी सीमित थी। उस दौरान कई शिक्षक अपनी विद्वता के बजाय पिटाई में 'महारत' के लिए जाने जाते थे। वे प्रार्थना-सभा में ही अपना 'हुनर' दिखाना शुरू कर देते थे। जब दिन की शुरुआत ही इतने 'भयानक' तरीके से होगी तो बच्चे उस स्कूल से कितना लगाव महसूस करेंगे और पढ़ाई की ओर कितना ध्यान दे पाएंगे? जब छुट्टी की घंटी बजती तो सभी छात्र यूं भागते थे, गोया उन्होंने बड़ी मुश्किल से अपनी जान छुड़ाई है। कुछ छात्र तो लगातार पिटाई और अपमान से परेशान होकर मानसिक समस्याओं का सामना करने लगते थे। उनके सामने ऐसा कोई विकल्प नहीं होता था कि वे इस मुसीबत से निजात पा सकें। जब वे काफी कोशिशों के बावजूद विषय को ठीक तरह से नहीं समझ पाते थे और आए दिन उनकी पिटाई होती थी, तो आखिरकार यह सोचकर पढ़ाई में उनकी दिलचस्पी कम होने लगती थी कि मार तो पड़नी ही है, चाहे मैं पढ़ूं या न पढ़ूं! स्कूलों में अनुशासन होना चाहिए। अगर बच्चे वहां अनुशासन नहीं सीखेंगे तो कहां सीखेंगे? लेकिन क्या इसके लिए मारपीट करना ही एकमात्र तरीका है? शिक्षक बनने से पहले प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को अनुशासित करने की अनेक मनोवैज्ञानिक विधियों के बारे में बताया जाता है। उन पर अमल करना चाहिए। स्कूली बच्चों का मन बहुत कोमल होता है। उनके साथ मार-कुटाई का बर्ताव ठीक नहीं है। पाठशाला ऐसी जगह होनी चाहिए, जो देश के लिए श्रेष्ठ नागरिक तैयार करे, न कि ऐसी जगह, जहां कदम रखने से बच्चे भयभीत हों। 'पाठशाला' 'पिटाईशाला' नहीं बननी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र बून्दी के केशवराय पाटन और कापरेन क्षेत्र में देवतुल्य जनता से मिले स्नेह से अभिभूत हूं। यह आशीर्वाद और विश्वास मुझे उनकी सेवा में समर्पण भाव से कार्य करने की नई प्रेरणा देता है। मेरा हमेशा प्रयास रहता है कि मेरे इन परिवारजनों के जीवन को बेहतर बना सकूं।

-ओम बिरला

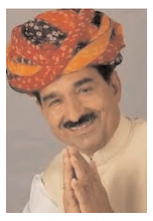

जयपुर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की प्रतिमा तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। मां भारती की आजादी एवं हमारे लोकतंत्र को मजबूत बनाने वाले देश के इन वीर पुरुषों को मैं आदर पूर्वक नमन करता हूं।

-मदन राठौड़

पेरिस ओलंपिक में अद्वितीय प्रदर्शन करते हुए ग्रेट ब्रिटेन को परास्त कर भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ओलंपिक के सेमीफाइनल में प्रवेश सुनिश्चित किया है। समस्त देशवासियों को हर्षित करने वाली इस उपलब्धि के लिए भारतीय हॉकी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

प्रतिबद्धता का सुफल

घटना 1943 की है, जब लता मंगेशकर महज 14 वर्ष की थीं। उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर का निधन हो चुका था और परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। लता को अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। एक दिन मुंबई में भारी बारिश हो रही थी। लता को एक संगीत निर्देशक से मिलने जाना था, जिन्होंने उन्हें एक गाने के लिए बुलाया था। यह उनके करिअर के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था। लेकिन उनके पास न तो छाता था और न ही बारिश से बचने का कोई अन्य साधन। फिर भी लता ने हिम्मत नहीं हारी। वे भारी बारिश में पैदल ही चल पड़ीं। वे पूरी तरह भीग गईं, उनके कपड़े कीचड़ से सन गए। जब वे स्टूडियो पहुंची, तो संगीत निर्देशक उन्हें इस हालत में देखकर हैरान रह गए। उन्होंने लता से पूछा कि वे इतनी भारी बारिश में क्यों आईं। लता ने बड़ी सादगी से जवाब दिया, 'आपने मुझे बुलाया था, और मैं अपना वादा निभाना चाहती थी।' संगीत निर्देशक लता के समर्पण और प्रतिबद्धता से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने न केवल लता को उस गाने के लिए चुना, बल्कि उन्हें और भी कई गाने गाने का मौका दिया।

सामयिक

आज वर्तमान में शिव के काल्पनिक चित्रणों की भरमार है। और शिव के नाम पर तस्वीरों व प्रतिमाओं का निर्माण कार्य जारी है। यह चित्र अथवा प्रतिमा शरीरधारी राजा शिव की नहीं है और न ही निराकार शिव ईश्वर की। यह काल्पनिक शिव के मानव रुपी शरीर का अलंकारिक चित्रण है। इसके दायें हाथ में त्रिशूल और बायें हाथ में डमरु है। सिर पर गंगा और माथे पर अर्द्ध चन्द्रमा है। उनके तीन नेत्र हैं। वृषभ या नादिया उनकी सवारी है। गले में मुण्ड माला है। वह बाघम्बर धारण किए हैं। गले में सर्प लिपटे रहते हैं। उन्होंने देवों के कष्ट हरण के लिए विषपान किया है।

मंगलकारी मंगलस्वरूप शिव को नमन

अशोक प्रवृद्ध

शिव के संबंध में अनेक भ्रांतियों के फैले होने का एक प्रमुख कारण यह है कि भारतीय प्राचीन ग्रंथों में वर्णित शिव के तीन रूपों -निराकार ईश्वर का नाम शिव, महाराजा शिव और वर्तमान में प्रचलित चित्रों में गले में सर्प लपेटे शिव से संबंधित तीन पृथक- पृथक चित्रणों को, विवरणियों को एक मान लिया जाना है। जिसके कारण अनेक भ्रम, विसंगति व तर्क से परे बातों का शिव कथाओं में समावेश हो गया है। वैदिक मतानुसार परमेश्वर के अनन्त गुण, कर्म, स्वभाव होने की भांति ही उसके अनन्त नाम भी हैं। ईश्वर का प्रत्येक गुण, कर्म और स्वभाव का एक-एक नाम है। वेदों में निराकार ईश्वर का ही एक नाम शिव कहा गया है। शिव का अर्थ है -जो कल्याणकारी हो। क्योंकि ईश्वर कल्याणकारी है, इसलिए उसका एक नाम शिव भी है। स्वामी दयानन्द सरस्वती अपनी प्रसिद्ध कृति सत्यार्थ प्रकाश के प्रथम सम्मुलास में कहते हैं- शिवु कल्याणे- इस धातु से शिव शब्द सिद्ध होता है। बहुलमेतन्निदर्शनम इससे शिवु धातु माना जाता है, जो कल्याणस्वरूप और कल्याण का करने वाला है, इसलिए उस परमेश्वर का नाम शिव है। वेदों में ईश्वर के गुणों के अनुसार लगभग सौ नामों से परमेश्वर को संबोधित किया हैं, जिनमे से शिव भी एक नाम है।

वेदों में वर्णित यह शिव समस्त सौर मंडल में कण-कण में विद्यमान है, न कि सिर्फ किसी पर्वत पर। नित्यप्रति की सन्ध्या- उपासना के अन्तर्गत प्रयुक्त होने वाले वेद मंत्र में भी निराकार शिव की ही स्तुति की गई है- नमः शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शंकराय च मयस्कराय च नमः शिवाय च शिवतराय च। - यजुर्वेद 16/41, अर्थात जो मनुष्य सुख को प्राप्त कराने हारे परमेश्वर और सुखप्राप्ति के हेतु विद्वान का भी सत्कार कल्याण करने और सब प्राणियों को सुख पहुंचाने वाले का भी सत्कार मंगलकारी और अत्यन्त मंगलस्वरूप पुरुष का भी सत्कार करते हैं, वे कल्याण को प्राप्त होते हैं।

इस एक ही मंत्र में शंभव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, शिवतर शब्द आये हैं जो एक ही परमात्मा के विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुए हैं। तीनों लोकों के स्वामी ईश्वर को उसके गुणों व कर्मों के अनुसार त्रयंबकम कहा गया है- ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।। -ऋग्वेद 7/59/12

वेद की भांति ही उपनिषदों में भी शिव की महिमागान की गई है- स ब्रह्मा स विष्णुः स रुद्रस्सः शिवस्सोऽक्षरस्सः परमः स्वराट। स इन्द्रस्सः कालाग्निस्स चन्द्रमाः।। - कैवल्योपनिषद 1/80, अर्थात वह जगत का निर्माता, पालनकर्ता, दण्ड देने वाला, कल्याण करने वाला, विनाश को न प्राप्त होने वाला, सर्वोपरि, शासक, ऐश्वर्यवान, काल का भी काल, शान्ति और प्रकाश देने वाला है।

माण्डूक्योपनिषद के अनुसार जो इस संसार की उत्पत्ति, स्थिति और प्रलय का कर्ता एक ही है, जो सब प्राणियों के हृदयाकाश में विराजमान है, जो सर्वव्यापक है, वही सुखस्वरूप भगवान शिव सर्वगत अर्थात सर्वत्र प्राप्त है। श्वेताश्वेतर उपनिषद 4/14 में इसे और भी स्पष्ट करते हुए कहा है कि परमात्मा अत्यन्त सूक्ष्म है, हृदय के मध्य में विराजमान है, अखिल विश्व की रचना अनेक रूपों में करता है। वह अकेला अनन्त विश्व में सब ओर व्याप्त है। उसी कल्याणकारी परमेश्वर को जानने पर स्थायी रूप से मानव परम शान्ति को प्राप्त होता है।

अब दूसरे रूप महाराजा शिव की बात करते हैं। पौराणिक ग्रंथों के गहन अध्ययन से इस सत्य का सत्यापन होता है कि गांधार क्षेत्रों में राज्य करने वाले एक महान राजा शिव थे। उनके पिताश्री का नाम अग्निध्रात था। अग्निध्रात के पिता का नाम विराट था और विराट के पिता का नाम महर्षि ब्रह्मा था। शिव की पत्नी का नाम उमा है। पर्वत क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के कारण उनको पार्वती की उपाधि प्राप्त है। शिव के दो पुत्र गणेश और कार्तिकेयन है। कैलाश उनकी राजधानी थी और तिब्बत का पठार और हिमालय के वे शासक थे। हरिद्वार से उनकी सीमा आरम्भ होती थी और काशी विश्वनाथ तक उनका साम्राज्य फैला हुआ था। वह शिव एक महान योगी भी थे। शिव योग का अभिप्राय है- नाना प्रकार के यंत्रों का निर्माण करना अथवा करते रहना तथा विविध यंत्रो को क्रिया में लाना। इस प्रकार वह अपने जीवन का राष्ट्रीयकरण करते हुए अपनी आभा को विकसित करने में लगे रहते थे। उनके राज्य में सब कोई सुखी था। कैलाशपति शिव वीतरागी महान राजा थे, वे राजा होकर भी अत्यंत वैरागी थे तथा उनका राज्य इतना लोकप्रिय हुआ कि उन्हें कालांतर में साक्षात ईश्वर के नाम शिव से उनकी तुलना की जाने लगी। वे महान विज्ञानवेत्ता अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण कर्त्ता थे। लंकेश रावण ने भी उनके पास रहकर शिक्षा प्राप्त की थी। उनकी प्रजा कैलाश पर्वत के समान आचार- विचार में ऊंची होने के कारण उनको कैलाशपति भी कहते थे। उनके राष्ट्र में अनुष्ठान, अनुसंधान, अनुवृत्ति और नाना प्रकार के ज्ञान-विज्ञान के प्रवर्द्धन में कार्य होते रहते थे। उनकी पत्नी का नाम पार्वती था जो राजा दक्ष की कन्या थी। उनकी पत्नी ने भी गौरीकुंड उत्तराखंड में रहकर तपस्या की थी।

महाराजा शिव से संबंधित यह कथा अधिक लोकप्रिय नहीं। इसलिए इस बात का लाभ लेकर वाममार्गियों ने भारतीय पौराणिक साहित्य में अनेक विसंगतिपूर्ण व तर्क से परे प्रसंगों, कथाओं का प्रक्षिप्त कर भारी गड़बड़ी कर दी और साकार पुरुष शिव और निराकार ईश्वर के एक अन्य नाम शिव को मिलाकर अनर्थ कर दिया। महाराजा शिव उनकी पत्नी पार्वती और गणेश की मूर्ति बनाकर किस्से कहानियां व किंबदन्तियां रच दीं। और शिव ईश्वर की मूर्ति बनाकर महाराजा शिव और ईश्वर शिव को एक ही मान लेने की भारी गलती कर दी।

आज वर्तमान में शिव के काल्पनिक चित्रणों की भरमार है। और शिव के नाम पर तस्वीरों व प्रतिमाओं का निर्माण कार्य जारी है। यह चित्र अथवा प्रतिमा शरीरधारी राजा शिव की नहीं है और न ही निराकार शिव ईश्वर की। यह काल्पनिक शिव के मानव रुपी शरीर का अलंकारिक चित्रण है। इसके दायें हाथ में त्रिशूल और बायें हाथ में डमरु है। सिर पर गंगा और माथे पर अर्द्ध चन्द्रमा है। उनके तीन नेत्र हैं। वृषभ या नादिया उनकी सवारी है। गले में मुण्ड माला है। वह बाघम्बर धारण किए हैं। गले में सर्प लिपटे रहते हैं। उन्होंने देवों के कष्ट हरण के लिए विषपान किया है। इन सभी रूपों का मिश्रण ही वर्तमान में प्राप्य शिव चित्र प्रतीत होते हैं। परंतु इस चित्र का भी दार्शनिक पहलू है, वह यह है कि मृत्यु को जीत लेने वाले अवधूत ब्रह्मचारी को भी शिव कहा जाता है। ऐसा महान इन्द्रियजीत योगी ही संसाररूपी प्रकृति अथवा पार्वती का स्वामी कहलाने योग्य हो सकता है। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद आदि सांसारिक विषय रूपी सर्प उससे लिपटे रहकर भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते। शरीर पर लिपटे हुए सर्पों से तात्पर्य स्पष्ट है कि सांसारिक विषय और वासनाएं सर्प की भांति शरीर के ऊपर लिपटी होने का प्रभाव तो सांसारिक मनुष्य पर पड़ता है लेकिन योगी,तपस्वी पर उनका कोई प्रभाव नही होता है। स्वयं प्रकृति ही पार्वती माता के रूप में उनकी पत्नी होने के कारण भी सर्प का असर उन पर नहीं होता। दोनों एक- दूसरे के पूरक है, सहायक है, रक्षक हैं। इसलिए प्रकृति के अभिन्न अंग सर्प शिव को क्षति पहुंचा ही नहीं सकते हैं। परम योगी साधक शिव ब्रह्म अथवा ब्रह्मजल में क्रीडा में निमग्न रहता है। परमानन्द की प्राप्ति होने से वह कैलाश में सदा स्थिर रहता है। यही उसका कैलाशवाश है। इसी प्रकार पर्वत दृढ़ता का प्रतीक है, साधक पर्वत की भांति अपने व्रत में अड़िग रहता है। तीन नेत्र वाले, त्रिनेत्र। उनके माथे में स्थित तीसरा नेत्र ज्ञान नेत्र का प्रतीक है। इसी ज्ञान नेत्र से वह काम वासना को भस्म कर देते हैं। इसलिए वे कभी कामासक्त होकर अनाचार नहीं करते। त्रिशूल- तीन शूल अर्थात कष्ट। तीन कष्ट हैं- आधिदैविक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक। ये तीन कष्ट अर्थात शूल कांटों के समान कष्टदायक हैं। इसलिए त्रिशूल हैं। परम योगी शिव इन तीनों कष्ट रुपी दुःखों को अपनी दायीं मुट्ठी में भरकर अपने वश में कर लेते हैं। शिव के बायें हाथ में डमरु है।

डमरु शब्द संस्कृत के दमरु का अपभ्रंश है, जो दो शब्दों से बना है। दम अर्थात दमन करना और रु अर्थात ध्वनि। अर्थात दमन संयम रूपी ध्वनि व्यक्त होती रहती है अर्थात वह महान संयमी है। शिव के माथे पर गंगा हैं। मस्तकवर्ती यह गंगा ज्ञान गंगा है। इससे सिद्ध है कि शिव ज्ञानी है। शिव के सिर पर अर्द्ध चन्द्रमा है। यह चन्द्रमा आनन्द और आशा एवं सौहार्द्र की प्रतीक है। शिव के चारों ओर लिपटे हुए विषधर काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, ईर्ष्या, द्वेष, पक्षपात आदि के प्रतीक हैं। जिन्हें योगी शिव अपने अन्तःकरण से बाहर फेंककर अनासक्त भाव से विचरण करते हैं। हलाहल पान करने से नीलकंठ है।

शिव का हलाहल पान करना इस बात का प्रतीक है कि वह विष समान कटुतर बातों को अपने कंठ से नीचे नहीं जाने देता। उनका हृदय नितान्त निर्मल है। शिव का मुण्डमाला धारण करना इस बात का प्रतीक है कि उनके कई जन्म हो चुके हैं। शिव का अपने शरीर पर भस्म लपेटे होना यह सिद्ध करते हैं कि यह शरीर भस्म होने वाला है। -भस्मान्तं शरीरम। -यजुर्वेद 40/15। अर्थात योगी शिव शरीरादि मोह से विरक्त हैं अर्थात विलासिता से दूर हैं। शिव की सवारी नादिया या वृषभ है। नादिया नाद शब्द का अपभ्रंश है। नाद का अर्थ ध्वनि है। सर्वश्रेष्ठ ध्वनि ॐ अर्थात ओंकार की है।

नजरिया

सावन में खुशियों के बीज, बोने आती हरियाली तीज

प्रियंका सौरभ

हरियाली तीज का उत्सव श्रावण मास में शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाया जाता है। मुख्यत: यह स्त्रियों का त्योहार है। इस समय जब प्रकृति चारों तरफ हरियाली की चादर सी बिछा देती है तो प्रकृति की इस छटा को देखकर मन पुलकित होकर नाच उठता है। जगह-जगह झूले पड़ते हैं। स्त्रियों के समूह गीत गा-गाकर झूला झूलते हैं। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को श्रावणी तीज कहते हैं। इसे हरितालिका तीज भी कहते हैं। जनमानस में यह हरियाली तीज के नाम से जानी जाती है। श्रावण के महिने में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। स्त्रियां अपने हाथों पर त्योहार विशेष को ध्यान में रखते हुए भिन्न-भिन्न प्रकार की मेहंदी लगाती हैं। मेहंदी रचे हाथों से जब वह झूले की रस्सी पकड़ कर झूला झूलती हैं तो यह दृश्य बड़ा ही मनोहारी लगता है, मानो सुहागिन आकाश को छूने चली हैं। इस दिन सुहागिन स्त्रियां सुहागी पकडक़र सास के पांव छूकर उन्हें देती हैं। यदि सास न हो तो स्वयं से बड़ों को अर्थात जेठानी या किसी वृद्धा को देती हैं। इस दिन कहीं-कहीं स्त्रियां पैरों में आलता भी लगाती हैं जो सुहाग का चिह्न माना जाता है। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेले लगते हैं और माता पार्वती की सवारी बड़े धूमधाम से निकाली जाती है। वास्तव में देखा जाए तो हरियाली तीज कोई धार्मिक त्योहार नहीं वरन महिलाओं के लिए एकत्र होने का एक उत्सव है। नवविवाहित लड़कियों के लिए विवाह के पश्चात पडने वाले पहले सावन के त्योहार का विशेष महत्त्व होता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव

ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है। हाथों में रची मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं।

तीज का आगमन भीषण ग्रीष्म ऋतु के बाद पुनर्जीवन व पुनर्शक्ति के रूप में होता है। यदि इस दिन वर्षा हो तो यह और भी स्मरणीय हो उठती है। लोग तीज जुलूस में ठंडी बौछार की कामना करते हैं। ग्रीष्म ऋतु के समाप्त होने पर काले कजरारे मेघों को आकाश में घुमड़ता देखकर पावस के प्रारम्भ में पपीहे की पुकार और वर्षा की फुहार से आभ्यंतर आनन्दित हो उठता है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन कजली या हरियाली तीज का पर्वोत्सव मनाता है। आसमान में घुमड़ती काली घटाओं के कारण ही इस त्योहार या पर्व को कजली या कज्जली तीज तथा पूरी प्रकृति में हरियाली के कारण तीज के नाम से जाना जाता है। इस त्योहार पर लड़कियों को ससुराल से पीहर बुला लिया जाता है। विवाह के पश्चात पहला सावन आने पर लडक़ी को ससुराल में नहीं छोड़ा जाता है। नवविवाहिता लडक़ी की ससुराल से इस त्योहार पर सिंजारा भेजा जाता है। हरियाली तीज से एक दिन पहले सिंजारा मनाया जाता है। इस दिन नवविवाहिता लडक़ी की ससुराल से वस्त्र, आभूषण, श्रृंगार का सामान, मेहंदी और मिठाई भेजी जाती है। इस दिन मेहंदी लगाने का विशेष महत्त्व है।

स्त्रियां आकर्षक परिधानों से सुसज्जित हो भगवती पार्वती की उपासना करती हैं। राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है, उन्हें अपने भविष्य के सास-ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में शिंझार (श्रृंगार) कहते हैं। शिंझार में अनेक वस्तुएं होती हैं, जैसे मेहंदी, लाख की चूडिय़ां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, जिसे बांधकर रंगा जाता है तथा एक मिष्ठान जिसे घेवर कहते हैं। इसमें अनेक भेंट वस्तुएं होती हैं, जिसमें वस्त्र व मिष्ठान होते हैं। इसे मां अपनी विवाहित पुत्री को भेजती है। पूजा के बाद बया' को सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी यदि कन्या ससुराल में है तो मायके से तथा यदि मायके में है तो ससुराल से मिष्ठान, कपड़े आदि भेजने की परम्परा है। इसे स्थानीय भाषा में तीज की भेंट कहा जाता है। राजस्थान हो या पूर्वी उत्तर प्रदेश, प्राय: नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुला लेने की परम्परा है। सभी विवाहिताएं इस दिन विशेष रूप से श्रृंगार करती हैं। सायंकाल बन ठनकर सरोवर के किनारे उत्सव मनाती हैं और उद्यानों में झूला झूलते हुए कजली के गीत गाती हैं।

इस अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेहंदी रचाती हैं। तीज के गीत हाथों में मेहंदी लगाते हुए गाये जाते हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है, महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेहंदी रचाना। पैरों में आलता लगाना, महिलाओं के सुहाग की निशानी है। हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेहंदी रचाती हैं जिसे मेहंदी मांडना' कहते हैं। इस दिन बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। तीज के दिन का विशेष कार्य होता है, खुले स्थान पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर झूला बांधना। झूला स्त्रियों के लिए बहुत ही मनभावन अनुभव है। मल्हार गाते हुए मेहंदी रचे हुए हाथों से रस्सी पकड़े झूलना एक अनूठा अनुभव ही तो है। सावन में तीज पर झूले न लगें, तो सावन क्या? तीज के कुछ दिन पूर्व से ही पेड़ों की डालियों पर, घर की छत की कड़ों या बरामदे में कड़ों में झूले पड़ जाते हैं और नारियां, सखी-सहेलियों के संग सज-संवरकर लोकगीत, कजरी आदि गाते हुए झूला झूलती हैं। पूरा वातावरण ही उनके गीतों के मधुर लयबद्ध सुरों से रसमय, गीतमय और संगीतमय हो उठता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों और सत्तारूढ़ पार्टी समर्थकों के बीच झड़प में 32 लोगों की मौत

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर छात्र आंदोलन संगठन द्वारा घोषित ''असहयोग'' आंदोलन के पहले दिन रविवार को प्रदर्शनकारियों और सत्तारूढ़ अवामी लीग समर्थकों के बीच हिंसक झड़पों में 32 लोग मारे गए तथा सैकड़ों अन्य घायल हो गए। सरकार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी एक 'असहयोग कार्यक्रम' में भाग लेने पहुंचे। अवामी लीग, छात्र लीग और जुबो लीग के कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध किया तथा फिर दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई। प्रोथोम अलो अखबार ने अपनी खबर में कहा, ''बांग्लादेश के 13 जिलों में हुई झड़पों में अब तक 32 लोग मारे जा चुके हैं।'' गृह मंत्रालय ने रविवार शाम छह बजे से देश में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाने का निर्णय लिया। सरकारी एजेंसियों ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक', 'मैसेंजर', 'व्हॉट्सऐप' और 'इंस्टाग्राम' को बंद करने का आदेश दिया है। अखबार ने बताया कि मोबाइल प्रदाताओं को 4जी इंटरनेट बंद करने का आदेश दिया गया है। 'स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन प्लेटफॉर्म' ने सरकार के इस्तीफे की एक सूत्री मांग के साथ आज से पूर्ण ''असहयोग'' आंदोलन का आह्वान किया।

इस बीच, प्रधानमंत्री हसीना ने कहा कि विरोध के नाम पर बांग्लादेश में तोड़फोड़ करने वाले लोग छात्र, नहीं बल्कि आतंकवादी हैं और उन्होंने जनता से ऐसे लोगों से सख्ती से निपटने को कहा। उन्होंने कहा, ''मैं देशवासियों से अपील करती हूं कि इन आतंकियों से सख्ती से निपटा जाए।'' प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के सूत्रों के हवाले से अखबार ने खबर में बताया कि हसीना ने गणभवन में सुरक्षा मामलों की राष्ट्रीय समिति की बैठक बुलाई।

बैठक में सेना, नौसेना, वायुसेना, पुलिस, रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी), बांग्लादेश सीमा गार्ड (बीजीबी) के प्रमुखों और अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने हिस्सा लिया। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब देश के कई हिस्सों में हिंसा फिर से फैलती जा रही है। विरोध प्रदर्शन के चलते ढाका की ज्यादा दुकानें और मॉल बंद रहे। सैकड़ों छात्र और कामकाजी लोग ढाका के शाहबाग में एकत्र हो गए हैं, जिससे यातायात जाम हो गया। समाचार पोर्टल 'बीडीन्यूज24' की एक खबर के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग की और आरक्षण में सुधार को लेकर हाल में हुए विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए। प्रदर्शनकारी असहयोग आंदोलन के पहले दिन राजधानी के साइंस लैब चौराहे पर भी एकत्र हुए और उन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए। समाचारपत्र 'डेली स्टार' के अनुसार, रविवार को बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी (बीएसएमएमयू) में अज्ञात लोगों ने कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। खबर के अनुसार, लाठी-डंडे लिए लोगों को अस्पताल परिसर में निजी कार, एम्बुलेंस, मोटरसाइकिलों और बसों में तोड़फोड़ करते देखा गया, जिससे मरीजों, तीमारदारों, चिकित्सकों और अन्य कर्मियों में भय पैदा हो गया। प्रदर्शनकारियों ने हसीना के वार्ता के निमंत्रण को खारिज कर दिया और सरकार के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के समन्वयकों ने स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालयों और मदरसों के छात्रों के साथ-साथ श्रमिकों, पेशेवरों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और अन्य आम लोगों से विरोध प्रदर्शन में भाग लेने का आह्वान किया। सरकार विरोधी प्रदर्शनों के समन्वयक नाहिद इस्लाम ने घोषणा की कि वे अपनी एक सूत्री मांग को लेकर सोमवार को प्रदर्शन और सामूहिक धरना देंगे। उन्होंने एक बयान में कहा कि सोमवार को वे आरक्षण सुधार आंदोलन के दौरान हाल ही में देशभर में मारे गए लोगों की याद में शहीद स्मारक पट्टिकाओं का अनावरण करेंगे।

बांग्लादेश में हाल में पुलिस और मुख्य रूप से छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें देखने को मिली थीं जिसमें 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

बचाव

केरल के वन अधिकारियों ने रविवार को वायनाड के घने जंगल में 8 घंटे की अविश्वसनीय यात्रा के बाद पांच दिनों के बाद एक मां और चार आदिवासी बच्चों को गुफा से बचाया।

पाकिस्तान की सेना को मुझसे माफी मांगनी चाहिए: इमरान खान

इस्लामाबाद/भाषा। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पिछले साल नौ मई को उनकी गिरफ्तारी के बाद भड़के दंगों के लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया है और कहा है कि सेना को उनसे माफी मांगनी चाहिए क्योंकि हिंसा के दिन पाक रेंजर्स ने उनका ''अपहरण'' कर लिया था।

खान (71) को नौ मई 2023 को भ्रष्टाचार के एक मामले में पेशी के दौरान इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से पाक रेंजर्स ने गिरफ्तार किया था।

उनकी गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों ने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया और दंगे भड़क उठे थे। इससे देशभर में नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों को नुकसान हुआ था।

सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल अहमद शरीफ ने इस वर्ष सात मई को कहा था कि पीटीआई (इमरान की पार्टी) के साथ कोई भी बातचीत हो सकती है, बशर्ते पार्टी अपनी ''अराजकता की राजनीति'' के लिए माफी मांगे। इस बयान के बाद, विभिन्न क्षेत्रों से यह मांग उठी कि खान की पार्टी को ''काला दिवस'' हिंसा के लिए माफी मांगनी चाहिए।

डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को रावलपिंडी की अदियाला जेल में मीडिया से बातचीत के दौरान खान ने एक सवाल के जवाब में कहा कि नौ मई की हिंसा के लिए माफी मांगने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से एक मेजर जनरल के नेतृत्व में रेंजर्स ने गिरफ्तार किया था। खान ने कहा कि उल्टा सेना को उनसे माफी मांगनी चाहिए क्योंकि हिंसा के दिन पाक रेंजर्स ने उनका ''अपहरण'' कर लिया था।

पेरिस ओलंपिक: पति मैथियास बोए के पोस्ट पर तापसी पन्नू ने की मजाकिया टिप्पणी

पेरिस/भाषा। अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपने पति और बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बोए के संन्यास लेने की घोषणा वाले पोस्ट पर मजाकिया अंदाज में उत्तर दिया है। बोए ने भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाई रंकीरेड्डी के पैरिस ओलंपिक से बाहर होने के बाद यह घोषणा की।

तापसी ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर बोए के पोस्ट पर एक टिप्पणी में कहा, अब आप एक शादीशुदा आदमी हैं। आपको एक कदम पीछे हटने की जरूरत है।

लंदन ओलंपिक में रजत पदक विजेता बोए ने शनिवार को संन्यास की घोषणा की थी। बोए टोक्यो ओलंपिक के पहले से शेट्टी और सात्विकसाई रंकीरेड्डी के कोच थे। मैथियास बोए (44) ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, मेरे लिए मेरे कोचिंग के दिन यहीं खत्म हुए। मैं कम से कम अभी के लिए भारत या कहीं और कोचिंग नहीं दूंगा, कम से कम अभी तो नहीं। मैंने बैडमिंटन हॉल में बहुत ज्यादा समय बिताया है। कोच बनना भी काफी तनावपूर्ण है। मैं एक थका हुआ बूढ़ा आदमी हूं।

मार्च में एक निजी समारोह में अपने लंबे समय के साथी बोए के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली पन्नू ने शनिवार को बोए के पोस्ट पर एक आंसू भरी 'इमोजी' साझा की।

पन्नू ने लिखा, अब आप एक शादीशुदा आदमी हैं। आपको एक कदम पीछे हटने की जरूरत है। मुझे रोजाना काम से घर आकर आपके लिए खाना तैयार करना है और सफाई करनी है।

उद्घाटन समारोह

मुंबई में रविवार को अभिनेता टाइगर श्रॉफ मैट्रिक्स डांस अकादमी के उद्घाटन समारोह में अपनी मां आयशा श्रॉफ और बहन कृष्णा श्रॉफ के साथ फोटो खिंचवाते हुए।

फिल्म 'खेल खेल में' के जरिए फिल्मों में वापसी करेंगे फरदीन खान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता फरदीन खान फिल्म खेल खेल में के जरिये फिल्मों में वापसी करने जा रहे हैं। फरदीन खान ने 14 साल बाद संजय लीला भंसाली की वेबसीरीज हीरामंडी से वापसी की थी।फरदीन की अब फिल्म 'खेल खेल में' रिलीज होने जा रही है।फरदीन खान ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं आप सभी के साथ 'खेल खेल में' का ट्रेलर शेयर करते हुए बेहद एक्साइटेड हूं! ये पल मेरे लिए बहुत ही इमोशनल है क्योंकि ये 14 सालों में मेरी पहली थियेट्रिकल रिलीज है। बड़े पर्दे पर वापसी करना पुरानी यादों, उत्साह और कृतज्ञता से भरा एक सफर रहा है।मुदस्सर अजीज (एमए) के साथ इस फिल्म पर काम करना अलग एक्सपीरियंस रहा है। 'दूल्हा मिल गया' फिल्म की बहुत सारी यादें ताजा हो गईं, जो किस्मत से मेरी आखिरी सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म भी थी। एमए के विजन और डेडिकेशन ने इस प्रोजेक्ट को हम सभी के लिए खास बना दिया है। और मैं इसका हिस्सा बनकर खासतौर से भाग्यशाली महसूस करता हूं।

फरदीन ने लिखा, फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू को, जिनके टैलेंट और जुनून ने इस कहानी को सबसे खूबसूरत तरीके से जीवंत किया है। आप में से हर एक ने फिल्म में एक अलग ही तरह का फील जोड़ी है, जिससे साथ काम करना और भी खुशी की बात हो गई। मैं फिल्म मेकिंग के दौरान मुझे दिखाए गए गर्मजोशी, प्यार और सम्मान के लिए हमेशा आभारी रहूंगा। आपने मुझे इतने लंबे समय से थियेटर से दूर रहने के बाद भी इतना वेलकमिंग महसूस कराया. धन्यवाद।मेरे परिवार, दोस्तों और फैंस को- सालों से आपका अटूट सपोर्ट मेरी ताकत रहा है।

आपके प्यार और प्रेज के बिना ये वापसी संभव नहीं होती। मुझे उम्मीद है कि खेल खेल में आपको पसंद आएगी और आपके दिलों में भी उतनी ही खुशी लाएगी जितनी हमारे दिलों में है। इस सफर में मेरे साथ रहने के लिए धन्यवाद।

फिल्म 'मेरी बेटी मेरा अभिमान' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री अंजना सिंह की आने वाली फिल्म मेरी बेटी मेरा अभिमान का ट्रेलर बी 4 यू चैनल पर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म मेरी बेटी मेरा अभिमान की कहानी एक बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो समाज के विभिन्न कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करते हुए अपने परिवार और खुद के सम्मान की रक्षा करती है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे एक बेटी अपने आत्म-सम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करती है। फिल्म के निर्माता संदीप सिंह , अरविन्द अग्रवाल और निर्देशक संजीव बोहरपी हैं।

फिल्म मेरी बेटी मेरा अभिमान में अंजना सिंह , कंचन मिश्रा , तनवी श्री, सोनाली मिश्रा , पुष्पेंद्र सिंह , पंकज मेहता , गोलू तिवारी , विशाल यादव बाल कलाकार - दीक्षा , गौरांशी मुख्य भूमिका में हैं। कांसेप्ट संदीप सिंह का है। कथा पटकथा , संवाद अरबिंद तिवारी, संगीत - साजन मिश्रा, गीतकार अरबिंद तिवारी और गायक प्रियंका सिंह , सुगम सिंह , संध्या सरगम हैं। छायांकन विजय मंडल का है और कोरियोग्राफर कानू मुख़र्जी,सोनू प्रीतम हैं।

फिल्म 'आईसी 814 द कंधार हाइजैक' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

नेटफ्लिक्स इंडिया ने आईसी814 द कंधार हाईजैक का टीजर रिलीज कर दिया है। आईसी 814 द कंधार हाइजैक ड्रामा थ्रिलर है, जो 1999 के समय में हुई प्लेन हाइजैक की घटना पर आधारित है।विजय वर्मा इसमें पायलट के किरदार में नजर आएंगे।टीजर की शुरुआत में कुछ भारतीय यात्रियों को दिखाया गया है जो नेपाल के काठमांडू में त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार हो रहे हैं। विजय वर्मा एक पायलट के किरदार में नजर आ रहे हैं।

वह यात्रियों को आराम से बैठने के लिए कहते हैं। इतना हुआ ही होता है कि अचानक से पांच नकाबपोश आतंकवादियों उन्हें बंदूक की नोक पर ले लेते हैं। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनीं आईसी 814 द कंधार हाइजैक में विजय वर्मा,नसीरुद्दीन शाह, पंकज कपूर, दिया मिर्जा और कुमुद मिश्रा जैसे सितारे नजर आएंगे। यह सीरीज 29 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

बधिर दर्शकों के लिए फिर से रिलीज होगी 'गदर 2'

मुंबई/एजेन्सी

इंडिया साइनिंग हैंड्स के सहयोग से ज़ी स्टूडियोज़ को ब्लॉकबस्टर फ़िल्म गदर 2 को इसकी पहली वर्षगांठ से पहले फिर से रिलीज़ करने की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। पिछले साल देश भर में लाखों लोगों के दिलों पर छाने वाली यह सीक्वल अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली हिंदी फ़िल्मों में से एक बन गई है और अब यह एक ख़ास वजह से सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करेगी। सिनेमा को सभी के लिए सुलभ बनाने के एक अग्रणी कदम के तहत, सनी देओल, अमीषा पटेल, उत्कर्ष शर्मा अभिनीत इस फ़िल्म को बधिर दर्शकों के लाभ के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) व्याख्या के साथ प्रदर्शित किया जाएगा। ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में, उन्होंने देश भर में चुनिंदा पीवीआर सिनेमाघरों में फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए इस पहल पर सहयोग करने पर अपनी खुशी व्यक्त की है, जिससे दिव्यांग दर्शकों को एक इमर्सिव सिनेमाई अनुभव प्राप्त होगा। ज़ी स्टूडियोज़

से आलोक केजरीवाल (बधिर) द्वारा स्थापित मुंबई स्थित संगठन इंडिया साइनिंग हैंड्स (आईएसएच न्यूज़) ने बधिरों के लिए सुलभता समाधान प्रदान करने के लिए संपर्क किया था और कंपनी ने इस सहयोग में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर अपनी खुशी भी साझा की है।

इस री-रिलीज़ पर टिप्पणी करते हुए, ज़ी स्टूडियोज़ के सीबीओ, उमेश कुमार बंसल ने कहा, गदर 2 एक ऐसी फ़िल्म है जो हर भारतीय की आत्मा से जुड़ी है। एक साल बाद, सार्थक पहल के लिए इसे फिर से बड़े पर्दे पर लाने पर हमें खुशी है। सिनेमा को सभी के लिए सुलभ बनाना हमारी प्राथमिकता है और इसे संभव बनाने के लिए हमें इंडिया साइनिंग हैंड्स के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। सनी देओल उर्फ ङ्कङ्कप्रतिष्ठित तारा सिंह ने भी अपनी खुशी साझा की और कहा, गदर 2 एक ऐसी फिल्म है, जिसका मेरे दिल में हमेशा एक खास स्थान है और रहेगा। इसलिए, रिलीज के एक साल बाद भी दर्शकों से मिल रहे प्यार और समर्थन को देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। भारतीय सांकेतिक भाषा की व्याख्या के साथ यह फिर से रिलीज होने से फिल्म इस बार और भी अधिक दर्शकों के दिलों को छू पाएगी। सकीना के रूप में अपनी भूमिका को फिर से निभाने वाली अमीषा पटेल ने कहा, गदर फिल्मों का हिस्सा बनना मेरे लिए एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। सकीना की कहानी को एक खास दर्शक वर्ग के लिए बड़े पर्दे पर वापस ला पाना बहुत अच्छा लगता है, जिन्हें हम सभी की तरह सिनेमा का पूरा आनंद लेने के लिए पर्याप्त अवसर नहीं मिलते हैं और मुझे उम्मीद है कि यह पहल अन्य फिल्म निर्माताओं को सिनेमा को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने के लिए प्रेरित करेगी। मनोरंजन क्षेत्र में बधिर समुदाय की पहुंच संबंधी जरूरतों के प्रति उनकी समझ और सहानुभूति के लिए ज़ी स्टूडियोज के प्रति आभार व्यक्त किया है।

1971 के तीसरे भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित, गदर 2 तारा सिंह (सनी देओल) की वीरतापूर्ण यात्रा को दर्शाती है, जिसमें वह अपने बेटे चरणजीत (उत्कर्ष शर्मा) को बचाने के लिए सभी बाधाओं से जूझते हुए सीमा पार करता है। यह फिल्म रविवार, 4 अगस्त को भारत भर के सभी प्रमुख शहरों में चुनिंदा पीवीआर सिनेमाघरों में भारतीय सांकेतिक भाषा की व्याख्या के साथ दिखाई जाएगी।

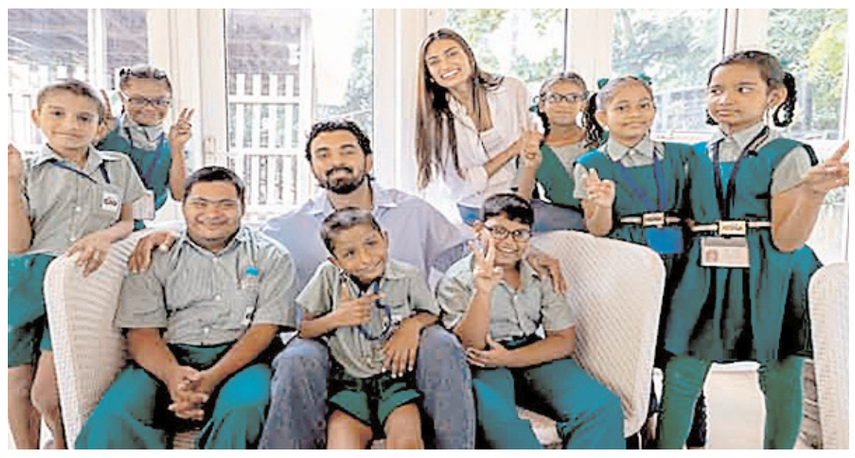

'विपला फाउंडेशन' के लिए धन जुटाएंगे अथिया शेट्टी और केएल राहुल

मुंबई/एजेन्सी

स्टार जोड़ी अथिया शेट्टी और केएल राहुल ने विपला फाउंडेशन के लिए धन जुटाने के लिए क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ हाथ मिलाया है, जिसे पहले सेव द चिल्ड्रन इंडिया के नाम से जाना जाता था, जो मुंबई के बीकेसी में स्थित उनके विशेष जरूरतों वाले स्कूल के लिए है। इस जोड़े ने इस उद्देश्य के लिए राहुल द्रविड़, एमएस धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, श्रेयस अय्यर, युजवेंद्र चहल, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, रवींद्र जडेजा और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसे प्रसिद्ध और सम्मानित क्रिकेटरों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों; जोस बटलर, क्विंटन डी कॉक, मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन को भी साथ लाया है।

राहुल और अथिया ने एक विशेष क्रिकेट नीलामी का आयोजन किया है, जिसमें खेल के ये दिग्गज अपनी कोई बहुत ही प्रिय वस्तु दान करेंगे और फाउंडेशन के लिए वित्तीय सहायता जुटाएंगे। इस पहल के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री अथिया शेट्टी ने कहा, विपला फाउंडेशन मेरे बचपन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। मैंने स्कूल के बाद कई दिन बच्चों को पढ़ाने और उनके साथ समय बिताने में बिताए हैं। इस नीलामी के माध्यम से, मैं अपनी नानी की विरासत को जारी रखने की उम्मीद करती हूं, जिन्होंने श्रवण बाधित और बौद्धिक विकलांग बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के इरादे से विपला फाउंडेशन की शुरुआत की थी।

उनके पति और प्रसिद्ध क्रिकेटर केएल राहुल ने कहा. स्कूल में मेरा पहला दौरा बहुत भावुक था और बच्चों ने मुझे इस महान पहल में हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए प्रेरित किया, जिसका हिस्सा अथिया का परिवार रहा है। नीलामी विपला फाउंडेशन द्वारा बच्चों को एक बेहतरीन शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए किए जा रहे अविश्वसनीय काम का समर्थन करने का हमारा तरीका है। जब मैंने क्रिकेट बिरादरी से संपर्क किया, तो उन्होंने भी इस महान उद्देश्य के लिए अपने कीमती क्रिकेट आइटम दान करने में उतना ही सहयोग किया। नीलामी में भाग लेकर और यादगार वस्तुओं के लिए बोली लगाकर, प्रत्येक बोलीदाता इन विशेष बच्चों के जीवन में बदलाव लाने में हमारे साथ जुड़ रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 05-08-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

कर्म हमारे साथ चलते हैं। कर्म के कारण हमारे जीवन में कई परिस्थितियां बनती है। उसी समय हमारे मन में जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि कर्म ही हमारे साथ चलते हैं या और कुछ भी है, जो साथ चलते हैं। भगवान कहते हैं ज्ञान इस भव में उपयुक्त है, परभव में भी साथ देगा। ज्ञान दोनों जगह साथ होगा। आज हमारे समाज में शिक्षा का महत्व बढ़ रहा है। जो व्यवहार की शिक्षा आप लेते हो, वह जीवन पर्यन्त सुखी रखती है। सम्यक् ज्ञान को अपने साथ लिया, तो वह जीवन में साथ देगा। आपको ज्ञान है तो घबराने, डरने की जरूरत नहीं है। ज्ञान और दर्शन इस भव और परभव दोनों जगह साथ में रहते हैं।

गुरु शांति स्कूल में रामायण मंचन एवं वार्षिकोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के वेपेरी स्थित गुरुश्री शांति विजय जैन विद्यालय के प्रांगण में 'रामायण मंचन विषय पर वार्षिकोत्सव मनाया गया। शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सिटी सिविल कोर्ट की जिला न्यायाधीश श्रीमती जे. फ्लोरा रही। कार्यक्रम में महावीर जैन कल्याण संघ के अध्यक्ष हरीश बेताला, सचिव प्रकाश चंद, विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. पी. गौतमजी वैद, संवाददाता व सचिव डॉ. ज्ञान जैन, प्राचार्या वी. उमा माहेश्वरी आदि गणमान्य उपस्थित रहे। मुख्यअतिथि का सम्मान शॉल ओढाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।

संवाददाता व सचिव डॉ. ज्ञान जैन ने मुख्य अतिथि का परिचय देते हुए अपने स्वागत भाषण में जीवन में सच्चे आदर्शो के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या वी.उमा माहेश्वरी ने वार्षिक रिपोर्ट की प्रस्तुति की। विद्यालय के अध्यक्ष डॉ .पी.गौतम वैद ने कहा कि माता-पिता के सहयोग और अध्यापक गण के सम्मिलित प्रयासों से ही हम अच्छा परिणाम हासिल कर सकते हैं और शिक्षा के क्षेत्र में आने वाले बदलाव व चुनौतियों को स्वीकार कर भावी पीढ़ी को आगे बढ़ाना है। मुख्य अतिथि जे. फ्लोरा ने बताया कि अभिभावक अपने बच्चों को सुख- सुविधाएँ देने के साथ जीवन की कठिनाइयों से भी परिचित करवाएँ ताकि वे अपने जीवन में सही दिशा में आगे बढ़ सके, साथ यह भी बताया कि हमारे जीवन में लोग तो बोलते रहेंगे लेकिन हमें वही ग्रहण करना है जो हमें आगे बढ़ाएँ न कि पीछे। हर विद्यार्थी को ईमानदारी, सच्चाई, कठिन परिश्रम से ही अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए। अपने जीवन का प्रेरणा-स्रोत किसी हीरो को नहीं अपने माता-पिता को बनाना चाहिए। श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित इस वार्षिकोत्सव में केजी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने गीत ,संगीत ,नाटक, नृत्यों की जोरदार प्रस्तुति कर श्रोतागण का मन मोह लिया। बेहतरीन परीक्षा परिणाम के लिए अध्यापकगण और विद्यार्थीगण को नगद राशि, प्रमाण पत्र, पुरस्कार वितरित किए गए।

नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क फिटमेंट शिविर में 638 दिव्यांग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। नारायण सेवा संस्थान द्वारा रविवार को विशाल निःशुल्क नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर माहेश्वरी भवन में आयोजित हुआ। संस्थान ने इस शिविर में तमिलनाडु, केरल और अन्य राज्यों के 638 से ज्यादा दिव्यांगों को अपर-लोवर कृत्रिम अंग और केलिपर्स लगाकर उनकी रुकी जिंदगी को फिर से शुरू की। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्रीगोपाल माहेश्वरी, नारायण सेवा के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, राजस्थानी संघ के अध्यक्ष गौतम श्रीश्रीमाल, समाजसेवी वेंकटेश, सीए कैलाश जैन, माहेश्वरी सभा सचिव संतोष मुंदडा, समाज सेवी सीताराम कांकाणी, कमल किशोर अग्रवाल, अटल गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का श्रीगणेश किया। मुख्य अतिथि श्रीमाहेश्वरी ने कहा मानव सेवा माधव सेवा और नर सेवा नारायण सेवा है। नारायण सेवा तमिलनाडु के दिव्यांगों का जीवन सुगम बनाने और समाज में सम्मानित जीवन प्रदान करने की भावना से यहाँ आई है। जिसका मैं अभिनंदन करता हूँ, साथ ही वे विभिन्न क्षेत्रों से कृत्रिम अंग से लाभांवित होने वाले बंधु- बहिनों से मिले और उनके उदगार जाने।

इस दौरान शिविर में अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, जैन समाज सहित 100 से अधिक कोयंबटूर के समाज सेवी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने संस्थान के परोपकारी प्रकल्प और दिव्यांगों के जीवन संवारने वाले शिविर के लिए संस्थापक कैलाश मानव व अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल का आभार प्रकट किया और हर वर्ष शिविर आयोजित करने के लिए आग्रह किया। प्रारम्भ में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने मंचासीन अतिथियों का मेवाड़ी परम्परा से स्वागत किया और संस्थान की एक मुट्ठी आटे से अब तक की सेवाओं से रुबरू कराया। नारायण लिम्ब से आत्मनिर्भर बने दिव्यांगों की सफल कहानी भी दिखाई।

संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल कहा हमने दिव्यांगजनों को उनके घरों के पास ही लाभान्वित करने की सोच को साकार करते हुए 28 अप्रैल को कोयंबटूर में कैंप लगाया था। जिसमें 1000 से ज्यादा रोगी आये उनमें से 638 दिव्यांगों को नारायण लिंब व केलिपर्स के लिए चयनित किया। जिन्हें आज आप सबके समक्ष नई जिंदगी मिल रही हैं। ये समाज की मुख्यधारा आकर हमारे साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। समारोह में कृत्रिम अंग पहनकर दिव्यांगों ने परेड की और फुटबॉल और बेडमिंटन भी खेला। इन दिव्यांगों के हौसले और जज्बे को देखकर पूरा पांडाल व परिजनों की खुशी बेमिसाल थी। लिम्ब फ़िटमेंट के लिए संस्थान की 40 व्यक्ति की टीम ने हर दिव्यांग को चलने फिरने की ट्रेनिंग देने के साथ ही प्रॉसथेटिक के रखरखाव की जानकारी दी। संस्थान निदेशक भगवान प्रसाद गौड़ ने अतिथियों शिविर परिसर का विजिट कराया और शिविर प्रभारी हरि प्रसाद लड्ढा ने अतिथियों का धन्यवाद अर्पित किया। संचालन ऐश्वर्य त्रिवेदी ने किया।

चरित्र के सुधरने से होगी रामराज्य की स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सत्संग समिति द्वारा आयोजित श्रावण मास में नौदिवसीय श्रीराम कथा तथा भगवान शिवजी के अभिषेक की पूर्णाहुति दिवस पर रविवार को करीब 150 शिवभक्तों ने अभिषेक कर पुण्यार्जन किया। माहेश्वरी भवन में समिति के सचिव बंशीलाल दलाल ने मुख्य मनोरथी श्रीमती काशीदेवी मोतीचंद बिन्नानी एवं उपाध्यक्षा श्रीमती हरकंवर चांडक को मंच पर आमंत्रित कर व्यासपीठ पर आसीन महाराज को माल्यार्पण कर श्रीराम चरितमानस की विधिवत पूजा करवाई।

व्यासपीठ से श्री धीरेंद्र शास्त्रीजी ने सभी श्रोताओं से श्रीराम की वन गमन लीला का वर्णन करते हुए बताया कि राम धर्म का साक्षात् विग्रह हैं। उन्होंने राज्य, सम्पत्ति, घर-बार सब सहज ही छोड़ दिया पर अपने भाई के स्नेह को, और पिता की आज्ञा को नहीं छोड़ा। माता कैकेई से एक बार भी नहीं पूछा कि मेरा अपराध क्या है। इसी तरह भरत जैसे भाई ने उस सम्पत्ति को छुआ भी नहीं और सब कुछ राम को सौंपने वन में चले आये। चरित्र का ऐसा आदर्श राम की कथा ही सिखा सकती है।

कथा के माध्यम से उन्होंने बताया कि रावण बहुत शक्तिशाली और परम विद्वान् था, पर चरित्र बिगड़ जाने से उसका सर्वनाश हुआ। कथा का सन्देश यही है कि अपने चरित्र को सुरक्षित रखा जाय, धर्म को अपनाया जाय और किसी को पीड़ा न देने का संकल्प किया जाय तो घर-घर में और जन-जन में रामराज्य की स्थापना हो सकती है। सत्संग समिति के अध्यक्ष श्रीवल्लभदास कंधारी ने सभी सनातनी को नौदिवसिय श्रीराम कथा तथा शिवजी के रुद्राभिषेक मे पधारने हेतु धन्यवाद व्यक्त किया।

दुर्गा पूजा के लिए माधावरम् नवदुर्गा सेवा समिति की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। माधावरम में नव दुर्गा सेवा समिति के द्वारा आगामी दुर्गा पूजा के आयोजन के लिए बैठक की गई। जिसमें नवदुर्गा पूजा समिति के सदस्यों और अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में आगामी 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक मनाई जाने वाली दुर्गा पूजा के लिए कार्यक्रम तय की गई। बताते चले कि आगामी 3 अक्टूबर (गुरुवार) को कलश स्थापना से माता रानी की पूजा प्रारंभ होकर 12 अक्टूबर तक माता रानी के अलग-अलग रूपों की पूजा की जाएगी।

नव दुर्गा सेवा समिति पहली बार माधावरम के राजाजी स्ट्रीट स्थित एम आर पैलेस कल्याण मंडपम को दुर्गा पूजा के लिए बुक कर ली है। जहाँ विधिवत् पूजा अर्चना की जाएगी। दुर्गा पूजा पंडाल को भव्य और दिव्य बनाने के लिए स्थानीय डेकोरेटर को बुक किया गया है। साथ ही पूजा पंडाल को धार्मिक और भक्तिमय बनाने के लिए कई स्थानीय भजन गायको एवं कलाकारों को आमंत्रण भेजा गया है जो अलग-अलग तिथियों पर प्रस्तुति देंगे। माधवरम महिला मंडल

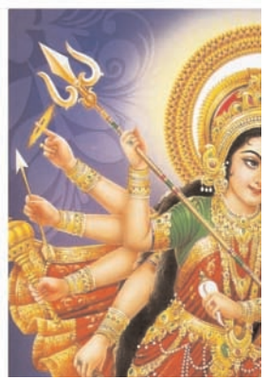

के सदस्यों कलश स्थापना से लेकर षष्ठमी तक संध्या 5 बजे से 8.30 बजे तक माता रानी के चरणों में भजनों की प्रस्तुति देंगी। सप्तमी को मशहूर भजन गायिका (तुलसी-मानसी) बहनें संध्या को माता की चौकी प्रस्तुत करेंगी। वहीं 12 अक्टूबर विजयादशमी के अवसर अंतरराष्ट्रीय भजन गायक प्रयागराज निवासी तिवारी बंधु को आमंत्रित किया गया है। नव दुर्गा सेवा समिति के अध्यक्ष सूरज कुमार पांडेय के अनुसार आयोजन स्थल पर एक साथ हजारों लोग शामिल हो सकते हैं। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर चार पहिया और दो पहिया वाहनों की पार्किंग की उचित व्यवस्था की जाएगी।

जीवन में धर्म का पालन अति आवश्यक : विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि श्रावक श्राविका का शब्द तीर्थंकर द्वारा प्रदत्त विशेष रूप से चतुर्विध संघ को उपहार रूप मिला है। भगवान महावीर स्वामी ने चार तरह के श्रावक बताए हैं। प्रथम में निंदनीय पाप तथा पांच आश्रवों के त्यागी होते हैं, द्वितीय दर्जे के श्रावक सामायिक संवर में विशेष रूचि रखते हैं, तीसरे दर्जे के श्रावक प्रत्येक मास में छह पोषध अर्थात छोटा संयम भरा जीवन जी रहे होते हैं, चतुर्थ में श्रावक जो पंडित मरण की पूरी तैयारी कर अपने मृत्यु को संवारने में समता और निर्जरा में आत्मलीन होने का प्रयास करते हैं।

अग्रवाल महिला मंडल की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

बेंगलूरु। शहर के अग्रवाल समाज कर्नाटक की अग्रवाल महिला मंडल का होटल में शपथ ग्रहण समारोह हुआ, जिसमे अध्यक्ष नीरू तायल, सचिव सुनीति अग्रवाल और कोषाध्यक्ष कविता तायल सहित 29 समिति सदस्यों ने आगामी कार्यकाल के लिए अपने पद की शपथ ली। आईपीपी अंजू अग्रवाल के साथ अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल और कोषाध्यक्ष अंकित मोदी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पूर्व अध्यक्ष रतनलाल सिंघल, विमला लाट, माया अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, नेहा डालमिया, अंजू अग्रवाल ने भी नवगठित समिति को शुभकामनाएं दी।

आचार्य आनंद ऋषि महान् साधक, सलाहकार व आशीर्वाद दाता थे : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने रविवारीय प्रवचन में कहा कि साधक चार प्रकार के होते हैं। एक वे, जो अपने दुःख का, अपने भव का अंत करने वाले होते हैं लेकिन औरों का नहीं। अपने पुरुषार्थ, आराधना से वे अपनी नैया को संसार सागर से पार कर लेते हैं लेकिन औरों के लिए कुछ नहीं कर पाते। एक वे होते हैं जो दूसरों के दुःख का अंत कर देते हैं लेकिन अपने भव भ्रमण का अंत नहीं कर पाते। हम सोचते हैं इस संसार में जैसै को तैसा होना चाहिए लेकिन आज की दुनिया आसान नहीं है। उन्होंने कहा आचारांग सूत्र में कहा गया है अशस्त्र से बढ़कर कोई शस्त्र नहीं होता है। एक वे होते हैं जो अपने भव भ्रमण को मिटा देते हैं और दूसरों को भी आगे बढ़ा देते हैं, चाहे वो गणधर हो या आचार्य आनंद ऋषिजी।

उन्होंने आगे कहा कि आचार्य आनंद ऋषिजी की साधना निरंतर चलती थी। कभी किसी नियम को उन्होंने तोड़ा ही नहीं। वे भीतर से भी साधना में तन्मय रहते थे। उस साधना में जीवन का प्रभाव ऐसा था कि जो भी उनके चरणों में आते थे, वे भी साधना से जुड़ जाते थे। उन्होंने कहा वे अपने आप में महान् साधक थे। गुरुदेव के पास जो था, उसका प्रदर्शन करना नहीं पड़ा। उनको बिना बांसुरी प्रचार मिलता था। उनके वचन सत्य होते थे इसलिए उनकी वाणी में सिद्धि थी। जिनकी वाणी में झूठ नहीं रहता, उनकी वाणी में सामर्थ्य रहता है। उनके पांव में पद्मकमल चिन्ह था। जो उनके आभामंडल में पहुंच जाता, समझो, उसमें सकारात्मकता का संचार हो जाता। उन्होंने जीवन में सत्य कल्याण, सत्य मंगल की प्रभावना की। हमें उनका आशीर्वाद मिला और आज भी मिल रहा है।

इस दौरान जैनत्व प्रचारिका डॉ. प्रियदर्शना ने अपने वक्तव्य में मद्रास यूनिवर्सिटी में जैनोलॉजी पाठ्यक्रम में सबको जुड़ने का आव्हान किया। महासती अणिमाश्री जी ने काव्यात्मक अभिव्यक्ति दी। इस दौरान दिल्ली स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस के पूर्वाध्यक्ष पारस मोदी एवं एसएस जैन सभा वीरनगर दिल्ली का प्रतिनिधि मंडल राजकुमार जैन, अनिल- रविन्द्र जैन, महिला संघ की अध्यक्ष अल्का जैन के नेतृत्व में युवाचार्यश्री के वर्ष 2026-27 के चातुर्मास की विनंती के लिए उपस्थित हुए। कांचीपुरम से एक संघ युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुआ। वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के मंत्री एल. धर्मीचंद सिंघवी ने बताया कि सोमवार को आचार्य आनंद ऋषिजी की जन्म जयंती तप- जप के साथ मनाई जाएगी।

मैला पुर संघ में द्वय महान पुरुषों की जयंती मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ मईलापुर में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आचार्य भगवंत गुरुदेव श्री आनंद ऋषि म.सा. एवं राजस्थान सिंहनी उपप्रवर्तिनी श्री चारित्र प्रभा जन्मोत्सव मनाने का अवसर मिला है उनके जीवन के गुणों का वर्णन नहीं कर सकते हैं। एक ने महाराष्ट्र की माटी पर जन्म लिया और दूसरे ने मेवाड़ की माटी पर जन्म लिया। फूलों की तरह महका दिया संयम की सौरभ से सुगंधित कर दिया। ऐसे महान पुरुष जिन्होंने अपना पूरा जीवन जिनशासन के लिए समर्पित कर दिया उनके गुणों की गगना हम नहीं कर सकते है प्रवचन में प्रखरता, जीवन में निर्मलता सरलता और सहजता थी। आचार्य भगवंत एक दिपक के समान थे जो दूसरों प्रज्वलित करते हैं। तिण्णाण-तारयाणं होते है जो स्वयं भी तिरते और दूसरों को भी तिरा देते है। जिनके चरणों में गुरुणीमैय्या ने अपना जीवन समर्पित किया और चारित्र प्रभा का जीवन में कितनी मधुरना थी? प्रवचन में प्रखरता, जिनके हृदय में स्नेह, वात्सलता, और करुणा की भावना थी। साध्वी ऋषिता श्री मः सा व्दय महानपुरुषों का वर्णन किया। साध्वी अनुज्ञा श्री ने उनके जीवन का वर्णन किया और साध्वी सर्वज्ञा श्री और साध्वी प्रिंयाँगी उनके गुणों का गुणगान किया। संचालन मईलापुर संघ के मंत्री विमलचंद खाबिया ने किया।

गौरवशाली रहा है ओसवाल समाज का इतिहास : आचार्य देवेंद्रसागर सूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मैलापुर जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य देवेंद्रसागर सूरीश्वरजी की निश्रा में ओसवाल समाज स्थापना दिवस हर्षोल्लास मनाया गया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि ओसवाल समाज का इतिहास बहुत ही गौरवशाली रहा हैं, जिस पर गर्व करते हुए हमें आगे बढ़ना हैं। हमें अपने संस्कारों पर भी नए सिरे से विचार करने की जरूरत हैं।

उन्होंने कहा ओसवाल नाम की उत्पत्ति राजस्थान के जोधपुर जिले के एक छोटे से कस्बे ओसिया से जुड़ी हुई है। जैन आचार्य रत्नप्रभ सूरिजी, जो जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ

के संप्रदाय की पंक्ति में सातवें आचार्य थे, महावीर के निर्वाण के बाद अपने 500 शिष्यों के साथ यहां आए थे। उस समय शहर पर राजा उपलदेव और उनके मंत्री उहाद का शासन था। आचार्य से उचित मार्गदर्शन प्राप्त करने के बाद राजा, उनके मंत्रियों और 1000 से अधिक राजपूत सैनिकों ने शराब और मांस का त्यागकर जैन धर्म अपना लिया। आचार्य ने इस समूह को ओशवाल या ओसवाल नाम दिया। इस प्रकार ओसवाल समुदाय के पूर्वजों, ओसवाल गच्छ नामक एक नई जैन वाहिनी अस्तित्व में आई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.